FEELASTRO प्रस्तुत करता है

# सम्पूर्ण वैदिक जन्मकुंडली

विस्तृत भावफल — प्रत्येक भाव का गहन विश्लेषण

जिनके लिए तैयार की गई

## Ananya Sharma

जन्म 14 मई 1990 को 06:45 AM बजे · Kochi, Kerala, India

♉ वृषभ लग्न · चन्द्र धनु राशि में · पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र

☉ ☽ ♂ ☿ ♃ ♀ ♄ ☊ ♇

स्विस एफेमेरिस की खगोलीय शुद्धता से गणना · लाहिड़ी अयनांश · वैदिक निरयण राशिचक्र

## इस रिपोर्ट में क्या है

**♈ जन्म कुंडलियाँ एवं ग्रह**
राशि एवं नवांश कुंडली, सटीक अंश, ग्रहों की स्थिति और उनका बल।

**✦ आपकी कुंडली के योग**
जन्म के समय बने सभी शास्त्रीय योग और उनके फल।

**☸ भावफल — मुख्य आकर्षण**
जीवन के बारहों भावों का गहन अध्ययन : शरीर, धन, परिवार, करियर, विवाह, भाग्य और बहुत कुछ।

**☽ दशा क्रम एवं उपाय**
विंशोत्तरी महादशाएँ, दोष, रत्न एवं इष्ट देवता।

**☀ पंचवर्षीय वर्षफल**
आपके आगामी पाँच वर्षों में से हर वर्ष के लिए विस्तृत ताजक फलकथन — मुंथा, वर्षेश और ग्रह-स्थिति की पूरी व्याख्या के साथ, केवल आंकड़े नहीं।

**आपकी सम्पूर्ण वैदिक कुंडली रिपोर्ट — 40+ पृष्ठों की PDF** रिपोर्ट पाएँ →

feelastro.com/horoscope-report/hi

# विषय-सूची

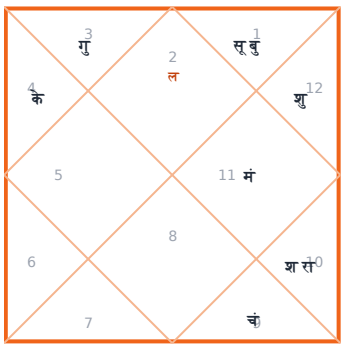
जन्म विवरण एवं पंचांग ..... 3
आपकी जन्म कुंडलियाँ ..... 3
पंचांग विश्लेषण ..... 5
जन्म राशि (चन्द्र राशि) चरित्र ..... 6
ग्रह स्थिति एवं ग्रह-अवस्था ..... 6
नवग्रह परिचय ..... 7
दृष्टि तालिका ..... 8
आपकी कुंडली के योग ..... 9
भावफल — बारह भावों का विश्लेषण ..... 11
विंशोत्तरी दशा क्रम ..... 27
वर्तमान गोचर ..... 28
षोडशवर्ग कुंडलियाँ ..... 30
ग्रह बल ..... 31
अष्टकवर्ग ..... 31
आरूढ़ पद एवं उपग्रह ..... 32
अनुकूल कालखंड ..... 32
दोष, रत्न एवं इष्ट देवता ..... 34
पंचवर्षीय वार्षिक फल (वर्षफल) ..... 35

## 01 जन्म विवरण एवं पंचांग — आपके आगमन का क्षण

**इस खंड के विषय में:** पंचांग वैदिक दिवस के पाँच अंगों — तिथि, नक्षत्र, योग, करण और वार — को आपके जन्म के सटीक क्षण पर अंकित करता है। इसी आधार पर इस रिपोर्ट की प्रत्येक गणना खड़ी है।

| | |
|---|---|
| **नाम** | Ananya Sharma |
| **जन्म तिथि एवं समय** | 14 मई 1990, 06:45 AM (Asia/Kolkata) |
| **जन्म स्थान** | Kochi, Kerala, India |
| **लग्न** | ♉ वृषभ |
| **चन्द्र राशि** | ♐ धनु |
| **जन्म नक्षत्र** | पूर्वाषाढ़ा — चरण 1 |
| **तिथि** | चतुर्थी (कृष्ण पक्ष) |
| **योग (पंचांग)** | साध्य |
| **करण** | बालव |

## 02 आपकी जन्म कुंडलियाँ — राशि (D1), नवांश (D9) एवं भाव चलित










राशि कुंडली आपके जन्म-आकाश का चित्र है ; नवांश उसे सूक्ष्म करता है — यहाँ दिखा ग्रह-बल जीवन के साथ परिपक्व होता है। भाव चलित कुंडली भावों को भाव-मध्य से मापती है : आपकी कुंडली में **सूर्य द्वादश → प्रथम, मंगल दशम → एकादश, राहु नवम → दशम, केतु तृतीय → चतुर्थ** — जहाँ कोई ग्रह भाव बदलता है, वहाँ भावफल खंड में भाव चलित टिप्पणी दी गई है।

★ भाव चलित अंतर्दृष्टि आपके 9 ग्रहों में से 4 ग्रह भाव बदलते हैं

## आपके ग्रहों के फल कहाँ पहुँचते हैं

आपके 4 ग्रह राशि के अनुसार एक भाव में बैठे हैं, पर अपने फल दूसरे भाव से देते हैं। प्रत्येक को नीचे आपके जीवन की दो दिशाओं के रूप में पढ़ा गया है, साथ ही वह आयु भी बताई गई है जब चलित पक्ष प्रायः आगे आता है।

**सूर्य · द्वादश → प्रथम** केंद्र में प्रवेश 22 वर्ष पर परिपक्व · चलित प्रमुख

राशि के अनुसार आपका सूर्य द्वादश भाव (व्यय, विदेश एवं मोक्ष) में स्थित है। चलित कुंडली में यह अपने फल प्रथम भाव (स्व, शरीर एवं व्यक्तित्व) से देता है। लगभग 22 वर्ष की आयु से प्रायः प्रथम भाव वाला पक्ष प्रमुख रहा है।

**मंगल · दशम → एकादश** केंद्र से बाहर 28 वर्ष पर परिपक्व · चलित प्रमुख

राशि के अनुसार आपका मंगल दशम भाव (कर्म, व्यवसाय एवं प्रतिष्ठा) में स्थित है। चलित कुंडली में यह अपने फल एकादश भाव (लाभ, आय एवं आकांक्षाएँ) से देता है। लगभग 28 वर्ष की आयु से प्रायः एकादश भाव वाला पक्ष प्रमुख रहा है।

**राहु · नवम → दशम** केंद्र में प्रवेश भाव संधि के निकट · मिश्रित

राशि के अनुसार आपका राहु नवम भाव (भाग्य, धर्म एवं पिता) में स्थित है। चलित कुंडली में यह अपने फल दशम भाव (कर्म, व्यवसाय एवं प्रतिष्ठा) से देता है। यह भाव संधि के बहुत निकट है, इसलिए इसके फल नवम और दशम भावों के बीच मिश्रित रहते हैं; कोई भी एक अंतिम नहीं है।

**केतु · तृतीय → चतुर्थ** केंद्र में प्रवेश भाव संधि के निकट · मिश्रित

राशि के अनुसार आपका केतु तृतीय भाव (पराक्रम, भाई-बहन एवं कौशल) में स्थित है। चलित कुंडली में यह अपने फल चतुर्थ भाव (गृह, माता एवं सुख) से देता है। यह भाव संधि के बहुत निकट है, इसलिए इसके फल तृतीय और चतुर्थ भावों के बीच मिश्रित रहते हैं; कोई भी एक अंतिम नहीं है।

**विभाजित होने वाली युति।** सूर्य और बुध मेष में युति करते हैं, जो आपका द्वादश भाव है। संयुक्त ऊर्जा वहाँ बनती है, पर प्रथम और द्वादश भावों में फलित होती है। शनि और राहु मकर में युति करते हैं, जो आपका नवम भाव है। संयुक्त ऊर्जा वहाँ बनती है, पर नवम और दशम भावों में फलित होती है।

**आपकी सम्पूर्ण वैदिक कुंडली रिपोर्ट — 40+ पृष्ठों की PDF** रिपोर्ट पाएँ →
feelastro.com/horoscope-report/hi

## 03 पंचांग विश्लेषण — आपका नक्षत्र, तिथि, योग, करण एवं वार

**इस खंड के विषय में:** आपके जन्म-पंचांग के प्रत्येक अंग का गहन विवेचन। नक्षत्र — जन्म के समय चन्द्रमा का नक्षत्र — स्वभाव और अंत:प्रवृत्ति गढ़ता है, जबकि तिथि, नित्य योग, करण और वार आपके चरित्र में अपना-अपना रंग जोड़ते हैं।

### आपका जन्म नक्षत्र — पूर्वाषाढ़ा (चरण 1)

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| स्वामी ग्रह | शुक्र | देवता | आप: | गण (प्रकृति) | मनुष्य |
| गुण | राजसिक | लिंग | स्त्री | योनि (पशु) | नर वानर |
| वर्ण | ब्राह्मण | प्रकृति | पित्त | पुरुषार्थ | मोक्ष |
| तारा | सम्पत् | प्रकार | उग्र | ऊर्जा | स्थिति |

पूर्वाषाढ़ा भारतीय ज्योतिष में 20वाँ नक्षत्र है। यह धनु राशि के 13°20' से 26°40' तक विस्तृत है। इसका स्वामी ग्रह **शुक्र** है, शासक देवता आपस या वरुण (दिव्य जल के देवता) हैं, प्रतीक पंखा या सूप है, गण मनुष्य है, पशु नर वानर है, पक्षी मुर्गी है, और वृक्ष फिश पॉइज़न ट्री या आट्टुपाला है।

Ananya Sharma, पूर्वाषाढ़ा में जन्मी स्त्री के रूप में, आप सामान्यत: आकर्षक होती हैं, आपका शरीर कुछ पतला, अंग सुगठित और कमर आकर्षक होती है। इस नक्षत्र में जन्मी अधिकांश स्त्रियाँ विवाह के बाद अपने पति के साथ सुखी जीवन जीती हैं। आप वह सहानुभूति नहीं दिखा सकती जो दूसरे आपसे अपेक्षा रखते हैं। आप अपने परिवारिक जीवन के सभी सुख-सुविधाओं और विलासिताओं का आनंद लेंगी। परिवारिक जीवन में आपके लिए एक गृहिणी बनना अधिक अच्छा रहेगा, प्रशासक कम। आप वाद-विवाद में अच्छी होती हैं, परंतु कभी-कभी गलत पक्ष के लिए तर्क कर सकती हैं। आपको अपनी प्रतिभाओं और कौशलों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और उन्हें अक्सर विकसित करना चाहिए। आपका आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति आपके परिवार में दूसरों के लिए एक मज़बूत प्रेरणा होगी। दूसरों की सहायता करते समय आप वास्तविक होती हैं और आप बहुत परोपकारी व नि:स्वार्थ होती हैं। यद्यपि आपका स्वभाव अत्यंत करुणामय नहीं है, फिर भी आप किसी परिस्थिति में दूसरों को वही देंगी जिसकी उन्हें वास्तव में आवश्यकता है। देवता वरुण हैं, जो दिव्य जल के देवता हैं। आपमें एक संतुलित जीवन बनाए रखने की स्वाभाविक क्षमता होगी और यदि आप यह पेशा चुनती हैं तो एक अच्छी चिकित्सक बन सकती हैं। पूर्वाषाढ़ा का अर्थ है प्रारंभिक जीत या विजय, और इस तारे में जन्मे व्यक्ति जीतने या प्रसिद्धि प्राप्त करने के लिए उत्सुक होंगे। आप दार्शनिक और आध्यात्मिक होंगी और अपने आध्यात्मिक ज्ञान को दूसरों के साथ साझा करने में रुचि रखेंगी, यद्यपि आध्यात्मिकता के बारे में आपके विचार परंपरागत दृष्टिकोण से भिन्न हो सकते हैं। जीवन में उच्च स्तर तक पहुँचने के लिए आपको अपने अहंकार पर नियंत्रण रखना चाहिए। आपको स्वास्थ्य समस्याओं के किसी भी लक्षण को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए क्योंकि आप कुछ हृदय संबंधी समस्याओं और खांसी या ब्रोंकाइटिस जैसी श्वसन संबंधी समस्याओं के प्रति संवेदनशील होती हैं।

#### नक्षत्र चरित्र

आप आशावादी और अजेय हैं। आप बहुत धैर्यवान हैं और नकारात्मक परिस्थितियों के टलने का इंतज़ार करते हैं। आपमें उच्च संवाद और मनाने की कला है और आप किसी भी वाद-विवाद को जीत सकते हैं। आप अपने जीवन की सुख-सुविधाओं को बेहतर बनाने में विश्वास रखते हैं। कभी-कभी आप दिखावा करने और अवास्तविक आशाओं में लिप्त होने की प्रवृत्ति दिखाते हैं।

#### नक्षत्र अनुकूलता

आपके जन्म नक्षत्र की अन्य नक्षत्रों से सामान्य अनुकूलता — एक पारंपरिक प्रथम चरण ; पूर्ण मिलान में दोनों कुंडलियों का समग्र विचार भी होता है।

| | |
|---|---|
| उत्तम मेल | आर्द्रा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, रेवती |
| अच्छा मेल | अश्विनी, पुनर्वसु, पूर्वा भाद्रपद |
| न्यूनतम मेल | धनिष्ठा |

### ज्योतिषीय जन्म दिवस (वार) — सोमवार

चंद्रमा सोमवार के शासक ग्रह हैं, इसलिए आप देखभाल करने वाले और दयालु स्वभाव के होंगे। घर और माता के प्रति आपका जुड़ाव महत्वपूर्ण रहेगा। आप आकर्षक होंगे और अपने वस्त्रों का चयन करते समय सावधान रहेंगे। किसी परिस्थिति का विश्लेषण और निर्णय करने में आपका सहज ज्ञान (अंतर्ज्ञान) सहायक होगा।

### चन्द्र तिथि — चतुर्थी (कृष्ण पक्ष)

चतुर्थी तिथि में जन्म लेने वाले लोगों को सामान्यत: अच्छे परिवार और आर्थिक पृष्ठभूमि का आशीर्वाद मिलता है। आप सामाजिक भी होते हैं और कई बार आपको एक धार्मिक व्यक्तित्व के रूप में देखा जाता है। इस तिथि में समाजसेवी और सामाजिक कार्यकर्ता भी देखे जाते हैं। आपको उच्च स्तर का ज्ञान प्राप्त होगा और आपको कई गुणों से युक्त एक बुद्धिजीवी के रूप में देखा जाएगा। आपका निजी जीवन आपके करीबी लोगों से भी छिपा रहता है।

### नित्य योग — साध्य

आप कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति हैं और जीवन में स्पष्ट लक्ष्य भी रखते हैं। आप जो कार्य आरंभ करते हैं उसे पूरा करने में सक्षम हैं। आप एक रचनात्मक व्यक्ति हैं जिसकी ललित कलाओं में रुचि है। कभी-कभी लोग आपके अच्छे कार्यों को स्वीकार नहीं कर पाते।

### करण — बालव

बालव करण में जन्म आपको एक स्वतंत्र विचारक बनाता है। आप अपने ऊपर लगाए गए नियंत्रण का विरोध करते हैं। आप अपने रिश्तेदारों को अधिक महत्व नहीं देते।

## 04 जन्म राशि (चन्द्र राशि) चरित्र — आपके चन्द्रमा की राशि

**इस खंड के विषय में:** जन्म के समय चन्द्रमा की राशि — आपकी जन्म राशि — मन को रंग देती है : भावनाएँ, अंत:प्रवृत्तियाँ और स्वभाव। यह विवेचन आपकी चन्द्र राशि से मिलने वाले मूल व्यक्तित्व का वर्णन करता है।

### ♐ धनु

धनु प्राकृतिक राशिचक्र की नौवीं राशि है। यह बृहस्पति की राशि है, जिन्हें धन और ज्ञान का कारक ग्रह माना जाता है। धनु राशि में चंद्रमा वाली स्त्री होने के नाते आपका मन दार्शनिक है और आपमें स्वाभाविक बुद्धिमत्ता है। आप प्रसन्नचित्त और बेफ़िक्र स्वभाव की हैं, और जीवन की सकारात्मक बातों में विश्वास रखती हैं। जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण व्यावहारिक और तार्किक है, और साथ ही आध्यात्मिक भी। आप नए विचारों से भरी रहती हैं और उन्हें दूसरों के सामने अच्छी तरह व्यक्त कर पाती हैं, इसलिए अपने सामाजिक दायरे में आपका स्वागत होता है। आप किसी भी अन्य चीज़ से अधिक अपनी अंत:प्रेरणा पर भरोसा करती हैं, और पुरुष व स्त्रियाँ दोनों आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति की सराहना करते हैं। आपको दूसरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना अच्छा लगता है। आपकी तीक्ष्ण हाज़िरजवाबी और प्रसन्न स्वभाव आपके आसपास के लोगों में सकारात्मकता फैलाते हैं। याद रखें कि आपकी सामाजिक छवि आपका वास्तविक स्वरूप नहीं है, और उसे बहुत अधिक महत्व देना आपके चरित्र और ध्यान को गलत दिशा में ले जा सकता है।

## 05 ग्रह स्थिति एवं ग्रह-अवस्था

**इस खंड के विषय में:** प्रत्येक ग्रह की राशि, सटीक अंश, भाव और राशिगत बल। राशिगत बल बताता है कि ग्रह अपनी राशि में कितना सहज है — उच्च या स्वराशि ग्रह अपने फल सहजता से देता है, जबकि नीच या शत्रु-राशि ग्रह को कुंडली के अन्य स्रोतों से बल चाहिए।

| | ग्रह | राशि | अंश | भाव | राशिगत बल |
|---|---|---|---|---|---|

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ☉ | **सूर्य** | ♈ मेष | 29°16' | 12 | उच्च |
| ☽ | **चन्द्र** | ♐ धनु | 15°45' | 8 | सम राशि |
| ♂ | **मंगल** | ♒ कुंभ | 23°32' | 10 | सम राशि |
| ☿ | **बुध** | ♈ मेष | 14°32' | 12 | सम राशि |
| ♃ | **गुरु** | ♊ मिथुन | 15°33' | 2 | शत्रु राशि |
| ♀ | **शुक्र** | ♓ मीन | 17°27' | 11 | उच्च |
| ♄ | **शनि** | ♑ मकर | 1°33' | 9 | स्वराशि |
| ☊ | **राहु** | ♑ मकर | 17°41' | 9 | मित्र राशि |
| ☋ | **केतु** | ♋ कर्क | 17°41' | 3 | मित्र राशि |

## 06 नवग्रह परिचय — आपकी कुंडली में प्रत्येक ग्रह की भूमिका

**इस खंड के विषय में:** नवों ग्रहों का पूर्ण परिचय-पत्र — आपके लग्न के लिए वह किन भावों का स्वामी है, उसका नक्षत्र, जैमिनी चर-कारक भूमिका (आत्मा, करियर, जीवनसाथी…), कार्यगत स्वभाव, बालादि अवस्था, तथा वर्गोत्तम, अस्त और वक्री जैसी विशेष स्थितियाँ। यही तय करते हैं कि ग्रह इस रिपोर्ट के वादों को कितनी निष्ठा से निभाएगा।

### ☉ सूर्य — ♈ मेष 29°16' · भाव 12

उच्च

**स्वामित्व (भाव):** 4
**चर कारक :** आत्मकारक — आत्मा का कारक
**बालादि अवस्था :** मृत अवस्था (अति क्षीण / निष्क्रिय) · जाग्रत
**नक्षत्र:** कृत्तिका — चरण 1
**कार्यगत स्वभाव :** सम
**युति :** बुध

### ☽ चन्द्र — ♐ धनु 15°45' · भाव 8

सम राशि

**स्वामित्व (भाव):** 3
**चर कारक :** मातृकारक — माता एवं सुख
**बालादि अवस्था :** युवा अवस्था (पूर्ण बल) · स्वप्न
**नक्षत्र:** पूर्वाषाढ़ा — चरण 1
**कार्यगत स्वभाव :** अशुभ
**युति :** कोई नहीं

### ♂ मंगल — ♒ कुंभ 23°32' · भाव 10

सम राशि

**स्वामित्व (भाव):** 7, 12
**चर कारक :** अमात्यकारक — करियर एवं मंत्रणा
**बालादि अवस्था :** वृद्ध अवस्था (क्षीण होता बल) · स्वप्न
**नक्षत्र:** पूर्वा भाद्रपद — चरण 2
**कार्यगत स्वभाव :** सम
**युति :** कोई नहीं

### ☿ बुध — ♈ मेष 14°32' · भाव 12

वक्री सम राशि

**स्वामित्व (भाव):** 2, 5
**चर कारक :** पुत्रकारक — संतान एवं बुद्धि
**बालादि अवस्था :** युवा अवस्था (पूर्ण बल) · स्वप्न
**नक्षत्र:** भरणी — चरण 1
**कार्यगत स्वभाव :** शुभ
**युति :** सूर्य

### ♃ गुरु — ♊ मिथुन 15°33' · भाव 2

शत्रु राशि

**स्वामित्व (भाव):** 8, 11
**चर कारक :** पितृकारक — पिता एवं भाग्य
**बालादि अवस्था :** युवा अवस्था (पूर्ण बल) · सुषुप्ति
**नक्षत्र:** आर्द्रा — चरण 3
**कार्यगत स्वभाव :** अशुभ
**युति :** कोई नहीं

### ♀ शुक्र — ♓ मीन 17°27' · भाव 11

उच्च

**स्वामित्व (भाव):** 1, 6
**चर कारक :** भ्रातृकारक — भाई-बहन एवं पराक्रम
**बालादि अवस्था :** युवा अवस्था (पूर्ण बल) · जाग्रत

**नक्षत्र:** रेवती — चरण 1
**कार्यगत स्वभाव :** शुभ
**युति :** कोई नहीं

### ♄ शनि — ♑ मकर 1°33' · भाव 9

वर्गोत्तम · वक्री · स्वराशि

**स्वामित्व (भाव):** 9, 10
**चर कारक :** दाराकारक — जीवनसाथी एवं साझेदारी
**बालादि अवस्था :** मृत अवस्था (अति क्षीण / निष्क्रिय) · जाग्रत

**नक्षत्र:** उत्तराषाढ़ा — चरण 2
**कार्यगत स्वभाव :** योगकारक
**युति :** राहु

### ☊ राहु — ♑ मकर 17°41' · भाव 9

मित्र राशि

**स्वामित्व (भाव):** —
**चर कारक :** ज्ञातिकारक — स्वजन एवं प्रतिस्पर्धा
**बालादि अवस्था :** युवा अवस्था (पूर्ण बल) · स्वप्न

**नक्षत्र:** श्रवण — चरण 3
**कार्यगत स्वभाव :** लागू नहीं (छाया ग्रह)
**युति :** शनि

### ☋ केतु — ♋ कर्क 17°41' · भाव 3

मित्र राशि

**स्वामित्व (भाव):** —
**चर कारक :** —
**बालादि अवस्था :** युवा अवस्था (पूर्ण बल) · स्वप्न

**नक्षत्र:** आश्लेषा — चरण 1
**कार्यगत स्वभाव :** लागू नहीं (छाया ग्रह)
**युति :** कोई नहीं

## 07 दृष्टि तालिका — कौन किस पर दृष्टि रखता है

**इस खंड के विषय में:** वैदिक ज्योतिष में प्रत्येक ग्रह अपने से सातवीं राशि को देखता है ; मंगल अतिरिक्त रूप से चौथी और आठवीं, गुरु पाँचवीं और नौवीं, तथा शनि तीसरी और दसवीं दृष्टि रखता है। दृष्टि से ग्रह अपना स्वभाव उस पर डालता है जिस पर वह पड़ती है — प्रत्येक पंक्ति में देखें कि उस ग्रह की दृष्टि किन ग्रहों और भावों पर है।

| दृष्टि → | ☉ | ☽ | ♂ | ☿ | ♃ | ♀ | ♄ | ☊ | ☋ | H1 | H2 | H3 | H4 | H5 | H6 | H7 | H8 | H9 | H10 | H11 | H12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ☉ सूर्य | · | ● | ● | · | ● | · | ● | ● | ● | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · |
| ☽ चन्द्र | ● | · | ● | ● | ● | ● | · | ● | ● | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · |
| ♂ मंगल | ● | ● | · | ● | ● | · | · | · | ● | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · |
| ☿ बुध | · | ● | · | · | ● | · | ● | ● | ● | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · |
| ♃ गुरु | · | ● | ● | ● | · | ● | ● | ● | ● | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · |
| ♀ शुक्र | ● | ● | · | · | ● | · | ● | · | ● | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · |
| ♄ शनि | ● | · | ● | ● | ● | ● | · | · | ● | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · |
| ☊ राहु | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · |
| ☋ केतु | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · | · |

नारंगी बिंदु : ग्रह-पर-ग्रह दृष्टि। हरे बिंदु : वे भाव जिन पर ग्रह की दृष्टि है।

## 08 आपकी कुंडली के योग — 13 शास्त्रीय योग पाए गए

**इस खंड के विषय में:** योग शास्त्रों में वर्णित विशेष ग्रह-संयोग हैं। प्रत्येक योग कुंडली के फल को प्रभावित करता है — राजयोग प्रतिष्ठा बढ़ाते हैं, धनयोग समृद्धि देते हैं, और दोषकारक योग उन क्षेत्रों की ओर संकेत करते हैं जहाँ सजग प्रयास चाहिए। योग का वास्तविक बल उसके ग्रहों के राशिगत बल और दशाओं पर निर्भर है।

### सुनफा योग चन्द्र योग

निर्माण : चन्द्रमा से द्वितीय भाव में ग्रह (शनि)

चंद्रमा से द्वितीय में ग्रह — स्व-अर्जित धन, बुद्धि और शांत स्वभाव।

### अधि योग चन्द्र योग

निर्माण : चन्द्रमा से 6/7/8 भाव में शुभ ग्रह (गुरु)

चंद्रमा से 6, 7, 8वें भाव में शुभ ग्रह — नेतृत्व, समृद्धि और शत्रुओं पर विजय।

### बुधादित्य योग युति

निर्माण : सूर्य-बुध युति

सूर्य-बुध की युति — प्रखर बुद्धि, प्रशासनिक क्षमता और यश।

### श्रापित योग दोष

निर्माण : शनि (भाव 9) राहु (भाव 9) के साथ/सम्मुख

शनि-राहु संयोग — पूर्व-कर्म भार का संकेत ; धैर्य और उपाय से शमन।

### राज योग (केंद्र–त्रिकोण) राज योग

निर्माण : भाव-4 के स्वामी सूर्य और भाव-5 के स्वामी बुध की युति

केंद्र-त्रिकोण स्वामियों का संबंध — शास्त्रीय राज योग ; पद और सफलता।

### मृदंग योग राज योग

निर्माण : शनि केन्द्र/त्रिकोण में राशिगत बल से युक्त, सबल लग्नेश के साथ

मृदंग-सा गूंजता यश — राजसी सुख और लोकप्रियता।

### भारती योग कर्म योग

निर्माण : 2/5/11 के स्वामी का नवांश-स्वामी नवमेश से युत एवं उच्चस्थ

विद्या और वाणी का योग — शास्त्र-ज्ञान, यश और कलात्मक प्रतिभा।

### धर्म-कर्माधिपति योग राज योग

निर्माण : नवमेश और दशमेश — परिवर्तन, सम्मुखता अथवा युति में

नवम-दशम स्वामियों का संबंध — श्रेष्ठ राज योग ; धर्म और कर्म का संगम।

### विष्णु योग राज योग

निर्माण : नवमेश का नवांश-स्वामी नवमेश व दशमेश से युत

नवम-दशम और नवांश का संबंध — विष्णु-कृपा ; धन, यश और दीर्घ सुख।

### स्ववीर्यधन योग धन योग

निर्माण : लग्नेश और द्वितीयेश की सुदृढ़ राशि-स्वामी शृंखला

स्व-पराक्रम से धन — आत्मबल से अर्जित संपत्ति।

### श्रीनाथ योग राज योग

निर्माण : सप्तमेश दशम भाव में, दशमेश और नवमेश की युति के साथ

सप्तम-दशम स्वामियों का संबंध — श्रीनाथ-कृपा ; वैभव और दांपत्य-सुख।

### भेरी योग राज योग

निर्माण : गुरु, शुक्र और लग्नेश परस्पर केन्द्रों में, सबल नवमेश के साथ

नगाड़े-सा घोषित वैभव — धन, कुटुंब-सुख, सदाचरण और दूर तक जाने वाला नाम।

### साधु योग संन्यास योग

निर्माण : आरूढ़ लग्न से तृतीय या षष्ठ भाव में एक शुभ ग्रह, और दूसरे में कोई पाप ग्रह नहीं

साधु का चिह्न — सादगी, अनुशासन और सांसारिक जीवन में रहते हुए शांत आध्यात्मिक प्रकाश।

**आपकी सम्पूर्ण वैदिक कुंडली रिपोर्ट — 40+ पृष्ठों की PDF** रिपोर्ट पाएँ →

feelastro.com/horoscope-report/hi

इस रिपोर्ट का हृदय

# भावफल — बारह भावों का विश्लेषण

बारहों भाव जीवन के एक-एक क्षेत्र के अधिपति हैं। नीचे प्रत्येक भाव को उसके स्वामी की स्थिति, उसमें बैठे व उस पर दृष्टि रखने वाले ग्रहों तथा बने शास्त्रीय संयोगों के आधार पर पढ़ा गया है — विशेष रूप से आपकी कुंडली के लिए।

## प्रथम भाव स्व, शरीर एवं व्यक्तित्व ♉ वृषभ

इस भाव के स्वामी ♀ शुक्र आपके **एकादश** भाव में स्थित हैं। इस भाव में कोई ग्रह नहीं — फल भावेश के माध्यम से मिलेंगे।

आपकी लग्न राशि में अष्टकवर्ग बिंदुओं की संख्या औसत है। यह भाव न तो ग्रहों के वादे में कुछ जोड़ता है और न ही कुछ घटाता है। परिणाम आपके लग्नेश की स्थिति और चल रही दशा पर निर्भर करते हैं।

आपके लग्न में कोई ग्रह स्थित नहीं है, इसलिए आपकी कुंडली मुख्यत: आपके लग्नेश के माध्यम से पढ़ी जाती है। हो सकता है आपमें कोई एक प्रमुख गुण न हो जिससे लोग आपको पहचानें। आप जिस भी कार्य में उस समय लगे होते हैं, उसी से अपना स्वभाव ग्रहण करने की संभावना रखते हैं।

चूंकि आपका लग्नेश एकादश भाव में स्थित है, जिसे **लाभ स्थान** कहा जाता है, आप अपने स्वयं के प्रयासों से धन कमाने में सफल होंगे। चूंकि एकादश भाव एक उपचय भाव है, आपको मध्यम आयु में सफलता दिखेगी, परंतु यह वृद्धि स्थिर रहेगी। आप आर्थिक रूप से मजबूत होंगे, और जब आप धन कमाने के बारे में सोचना शुरू करेंगे, तो अपने सपनों को साकार करने के लिए कठिन परिश्रम करेंगे। आप बहुत मिलनसार होंगे और आसानी से मित्र बनाएंगे। मित्रों और सामाजिक दायरे के साथ अधिक संलिप्तता आपके व्यक्तिगत/वैवाहिक जीवन को हानि पहुंचा सकती है। आपको अपने बड़े भाई-बहन से सहयोग और स्नेह प्राप्त होगा। आप व्यवसाय में बहुत सफल होंगे। चूंकि एकादश भाव **शत्रु के भाव का शत्रु** (छठे भाव से छठा भाव) है, आप गलत लोगों को अपनी शत्रु सूची में शामिल करने की भूल कर सकते हैं।

चूंकि मंगल लग्न को देख रहा है, इसलिए आप दानशील, महत्वाकांक्षी और परिश्रमी होंगे। कभी-कभी आप असमझौतावादी और कठोर स्वभाव भी दिखा सकते हैं।

भाव चलित टिप्पणी — भाव चलित कुंडली में स्थिति परिवर्तन

भाव चलित कुंडली के अनुसार, सूर्य की स्थिति बदल जाती है ; समय बीतने के साथ आप भाव चलित कुंडली के अनुसार परिणामों को अधिक प्रभावी ढंग से अनुभव कर सकते हैं। **भाव चलित कुंडली परिणाम :** चूंकि सूर्य पहले भाव में है, आपकी दृष्टि आत्मविश्वास से भरी और आंखें प्रमुख होंगी, तथा आप अधिकारपूर्ण भूमिकाएं निभाने की ओर झुकाव रखेंगे। आपके पास किसी भी परिस्थिति को संभालने की स्वतंत्रता, ऊर्जा और उत्साह होगा। हालांकि, महत्वपूर्ण परिस्थितियों में आप अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने में असमर्थ हो सकते हैं। आपको बालों के पतले होने की समस्या हो सकती है।

## द्वितीय भाव धन, कुटुंब एवं वाणी ♊ मिथुन

इस भाव के स्वामी ☿ बुध आपके **द्वादश** भाव में स्थित हैं। इस भाव में **गुरु** विराजमान हैं।

आपकी दूसरी राशि में अष्टकवर्ग बिंदु कम हैं। यहाँ अच्छी स्थिति भी धीमी गति से फल दे सकती है। आपके धन को अपने आप संचित होने देने के बजाय सचेत प्रबंधन की आवश्यकता है। इस राशि से गोचर करने वाले ग्रहों के समय प्रतिबद्धता लेने के बजाय संचय करने पर ध्यान देना चाहिए।

आपका द्वितीयेश साधारण बल के साथ दु:स्थान भाव में स्थित है। आपके धन और पारिवारिक मामले स्थिर वृद्धि के बजाय उतार-चढ़ाव भरी राह अपना सकते हैं। बचत के दौर कभी-कभी ऐसे दौर से बदल सकते हैं जब दायित्व आपकी बचाई हुई राशि को खर्च कर दें। किसी अच्छे दौर को स्थायी न मानें।

आपका द्वितीय भावेश वक्री है। धन और पारिवारिक मामले समाप्त होने के बजाय आपके पास वापस लौट सकते हैं। कोई पुराना कर्ज़, कोई अनसुलझा पारिवारिक संपत्ति का मामला, या कोई आय का स्रोत जिसे आपने छोड़ दिया था, वापस आ सकता है। ऐसे मामलों को पहली बार में ही ठीक से निपटा लें, उन्हें अधूरा न छोड़ें।

आपका द्वितीयेश किसी पाप ग्रह के साथ युति में है और उसे कोई शुभ दृष्टि प्राप्त नहीं होती। आपकी वाणी आपके इरादे से अधिक कठोर पड़ सकती है। आप ठीक उसी क्षण सही बात कह सकते हैं जब वह सबसे कम स्वागतयोग्य हो, और प्रतिक्रिया देखकर आश्चर्यचकित रह सकते हैं। उत्तर देने से पहले एक क्षण रुकें। किसी विवाद में, बोलने की अपेक्षा लिखना आपके लिए अधिक लाभकारी रहेगा।

दूसरा भाव **स्थिर संपत्ति, धन, परिवार, वाणी, चेहरे, गले और आवाज़** से संबंधित मामलों को दर्शाता है। चूंकि आपका द्वितीयेश बारहवें भाव में स्थित है, जो **मोक्ष, आध्यात्मिकता, गुप्त शत्रु, व्यय और हानि** का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए आप विदेशी स्रोतों से आय अर्जित करेंगे। आप अधिक खर्च करने की प्रवृत्ति रखते हैं और अपनी आय के प्रति बहुत सजग नहीं हो सकते हैं। आप बहुत आध्यात्मिक भी होंगे और आध्यात्मिकता से संबंधित ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। इस बात की संभावना है कि आप किसी विदेशी भूमि में निवास करेंगे। आप किसी दूरस्थ भूमि में धन और संपत्ति अर्जित कर सकते हैं। भले ही आपके पास सांसारिक सुख-सुविधाएं और विलासिता हो, फिर भी आप उन चीजों से बहुत प्रसन्न नहीं हो सकते हैं।

चूँकि नैसर्गिक शुभ ग्रह गुरु द्वितीय भाव में स्थित हैं और वहाँ किसी भी नैसर्गिक पाप ग्रह की उपस्थिति नहीं है, यह धन, बुद्धि, दयालुता और बुद्धिमत्ता को दर्शाता है।

2रे भाव की संयुक्तता से गुरु-मंगल योग बनता है। आप अपने परिश्रम, धार्मिकता और दृढ़ संकल्प से धन और संपत्ति प्राप्त करेंगे।

चूंकि द्वितीय भाव के स्वामी और चतुर्थ भाव के स्वामी की युति है, इसलिए आप अपने ननिहाल पक्ष से अच्छा सहयोग पाने की अपेक्षा कर सकते हैं। आपको अपने करियर, संपत्ति या वाहनों से भी लाभ प्राप्त होगा

चूंकि बृहस्पति द्वितीय भाव में हैं, आप दानशील हैं और अपने परिवार के सदस्यों के लिए नि:स्वार्थ भाव से धन खर्च करने में कुशल हैं। आपकी आर्थिक स्थिति हमेशा उत्कृष्ट और सुरक्षित रहेगी। आप विद्वान होंगी, और आपकी वाणी धार्मिक और पवित्र होगी। आपको खाने का शौक हो सकता है और अपनी इच्छानुसार भोजन प्राप्त करने का सौभाग्य मिल सकता है।

## तृतीय भाव पराक्रम, भाई-बहन एवं कौशल ♋ कर्क

इस भाव के स्वामी ☽ चन्द्र आपके **अष्टम** भाव में स्थित हैं। इस भाव में **केतु** विराजमान हैं।

आपके तीसरे भाव में एक पाप ग्रह विराजमान है। तीसरा भाव एक उपचय भाव है, इसलिए यहाँ स्थित पाप ग्रह परेशानी के बजाय शक्ति प्रदान करता है। आप बिना दबाव के काम करने की अपेक्षा दबाव में बेहतर काम कर सकते हैं, और आप चीजों को इसलिए पूरा करते हैं क्योंकि वे कठिन थीं। इसकी कीमत यह है कि आप उन लोगों के प्रति कठोर हो सकते हैं जिन्हें आपसे अधिक धैर्य की आवश्यकता होती है।

आपके तीसरे भाव के स्वामी में राशिगत बल या शक्ति है। आपका साहस समाप्त करने वाला है, न कि जल्दबाज़ी करने वाला। आप किसी विषय को तौलने के बाद निर्णय लेते हैं, और फिर आपको हिलाना कठिन होता है। आपमें उस लंबे कार्य के लिए सहनशक्ति है जो अधिक उत्साह से शुरुआत करने वालों को थका देता है।

बुध, संचार के कारक, आपकी कुंडली में कमजोर हैं या किसी दु:स्थान भाव में स्थित हैं। अपने विचारों को शब्दों में व्यक्त करने में आपको दूसरों की तुलना में अधिक समय लग सकता है। हो सकता है कि आप जितना जानते हों, उसे उतनी सहजता से समझा न पाएँ। बिना तैयारी के बोलने की तुलना में लिखित कार्य आपके लिए अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

आपकी तीसरी राशि में औसत संख्या में अष्टकवर्ग बिंदु हैं। आपकी पहल न तो आपसे आगे भागती है और न ही पीछे खिंचती है। परिणाम आपके तृतीयेश की स्थिति, मंगल तथा चल रही दशा पर निर्भर करते हैं।

आपके तीसरे भाव का स्वामी एक दु:स्थान भाव में स्थित है। आपका प्रयास आपको श्रेय के रूप में नहीं मिल सकता। कार्य पूरा हो जाता है, लेकिन परिणाम कहीं और चला जाता है या आवश्यकता के बाद पहुँचता है। आपके छोटे भाई-बहन आपसे दूरी पर रह सकते हैं। आपने क्या किया और कब किया, इसका लिखित रिकॉर्ड रखें, क्योंकि यह स्थिति दस्तावेज़ीकरण को पुरस्कृत करती है।

शनि आपके तृतीय भाव पर दृष्टि डालता है। आपका साहस धीमा, विचारशील और स्थायी है। आप दूसरों की तुलना में देर से कार्य कर सकते हैं, परंतु किसी कार्य में लंबे समय तक टिके रहते हैं। हो सकता है आपके भाई-बहन कम हों, या उम्र का अंतर इतना अधिक हो कि आप एकल संतान जैसा अनुभव करें। आपकी वाणी सतर्क होती है, और लोग आपकी चुप्पी को असहमति समझ सकते हैं।

तीसरा भाव **आत्मविश्वास, साहस, यात्रा, संचार, कला और संस्कृति, छोटे भाई-बहनों** आदि से संबंधित विषयों को दर्शाता है। चूंकि आपका तीसरा स्वामी आठवें भाव में स्थित है, जो **रहस्य, गूढ़ विद्या, अचानक होने वाली घटनाओं, दीर्घायु, गड़े हुए खजाने** आदि का प्रतिनिधित्व करता है, आपकी रहस्यमय चीजों और कहानियों में रुचि होगी। आप इनसे संबंधित लेखक या ब्लॉगर हो सकते हैं। चूंकि तीसरा और आठवां दोनों भाव गपशप, रहस्य और गूढ़ता से संबंधित हैं, आपको आरोपों या गपशप का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए आपको अपनी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा बनाए रखने में सावधान रहने की आवश्यकता है। आप अपने जीवन को बहुत गोपनीय रख सकते हैं, और आपके करीबी लोगों को भी आपके कुछ शौक के बारे में पता नहीं हो सकता है। भले ही आप संबंध में वफादार और ईमानदार हैं, संचार के कारण कुछ परेशानियाँ हो सकती हैं। आपको उन परिस्थितियों में शामिल होने से बचना चाहिए जो आपसे संबंधित नहीं हैं। आप अपने भाई-बहनों से अलग हो सकते हैं।

चूँकि केतु तृतीय भाव में स्थित हैं, आपमें कई छुपी हुई प्रतिभाएँ और कौशल होंगे और आप रचनात्मक होंगे। आप अपने छोटे भाई-बहनों से मानसिक रूप से जुड़े होते हुए भी उनसे कुछ दूरी अनुभव कर सकते हैं। आप अपने ही कौशल के बल पर धनवान और सफल होंगे। आप सच्चे अर्थों में आध्यात्मिक भी होंगे।

## चतुर्थ भाव गृह, माता एवं सुख ♌ सिंह

इस भाव के स्वामी ☉ सूर्य आपके **द्वादश** भाव में स्थित हैं। इस भाव में कोई ग्रह नहीं — फल भावेश के माध्यम से मिलेंगे।

चंद्रमा, चतुर्थ भाव के कारक, किसी दुष्स्थान भाव में स्थित हैं या किसी पाप ग्रह के साथ युति में हैं। आपको शांति सरलता से नहीं मिलती, और मन की शांति पाने के लिए आपको प्रयास करना पड़ सकता है। शोरगुल भरा या अव्यवस्थित घर आपको दूसरों की तुलना में अधिक विचलित कर सकता है। कोई अनसुलझा विवाद आपके मन में कई दिनों तक बना रह सकता है। एक निश्चित अपना स्थान और एक ऐसी दैनिक दिनचर्या जिसे आप बनाए रखते हैं, आपके लिए किसी भी अन्य चीज़ से अधिक सहायक होगी।

आपका चतुर्थ भाव, उसका स्वामी और चंद्रमा तीनों दबाव में हैं, और कोई शुभ ग्रह इस भाव को दृष्टि नहीं देता। आप अपनी माता से दूर रह सकते हैं। यह दूरी प्रवास या शीघ्र वियोग के कारण भौतिक हो सकती है, या स्वभाव का अंतर हो सकता है जहाँ स्नेह सच्चा था परंतु समझ नहीं बन पाई। यह बंधन तब सामान्यतः सुधरता है जब आप संबंध को वैसा ही स्वीकार करते हैं जैसा वह है, न कि जैसी आपने अपेक्षा की थी।

आपके चतुर्थ भाव के स्वामी में राशिगत बल या शक्ति है। आपकी मूलभूत सुरक्षा संभवतः सुदृढ़ होगी। रहने के लिए स्थान और वाहन बिना असाधारण संघर्ष के आपको प्राप्त हो सकते हैं, और आपके द्वारा अर्जित संपत्ति संभवतः आपके पास बनी रहेगी। जब परिस्थितियाँ प्रतिकूल हों, तब लौटने के लिए संभवतः आपके पास कोई ठिकाना होगा।

आपकी चतुर्थ राशि में अष्टकवर्ग बिंदुओं की संख्या औसत है। यह भाव न तो ग्रहों के वादों को बढ़ाता है और न ही उन्हें क्षीण करता है। परिणाम आपके चतुर्थ भाव स्वामी की स्थिति, चंद्रमा, और चल रही दशा पर निर्भर करते हैं।

आपके चतुर्थ भाव के स्वामी किसी दुःस्थान भाव में स्थित हैं। स्थिरता आपके लिए कोई स्थायी स्थिति न होकर एक बार-बार दोहराया जाने वाला प्रयास हो सकता है। आपको स्थानांतरण, मरम्मत, संपत्ति विवाद, या ऐसी जगह लंबे समय तक रहना पड़ सकता है जिसे अस्थायी माना गया था। इस स्थिति के साथ अपने जन्मस्थान से दूर रहना सामान्य है, और अक्सर यह सही भी साबित होता है। अपना आधार मानकर चलने के बजाय उसे सोच-समझकर बनाएं।

चतुर्थ भाव **माता, गृह, वाहन, सुख, शांति, सामान्य शिक्षा आदि** से संबंधित विषयों को दर्शाता है। चूंकि आपका चतुर्थ भाव स्वामी द्वादश भाव में स्थित है, जो **मोक्ष, आध्यात्मिकता, गुप्त शत्रु, व्यय और हानि** का प्रतिनिधित्व करता है, आप एक आध्यात्मिक व्यक्ति होंगे, क्योंकि चतुर्थ भाव और द्वादश भाव दोनों ही मोक्ष त्रिकोण भाव माने जाते हैं। आप अपनी माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हो सकते हैं और शिक्षा के लिए अपनी मातृभूमि से दूर किसी दूरस्थ स्थान पर रहना और यात्रा करना पड़ सकता है। आपको जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है और मानसिक तनाव का अनुभव हो सकता है। हालांकि, आप शांतिपूर्ण और अच्छी नींद का आनंद लेंगे। आप अपनी वास्तविक भावनाओं को छिपाने में कुशल हैं और दबाव में भी परेशानी नहीं दिखा सकते। अप्रत्याशित क्षणों में आप अपना धैर्य भी खो सकते हैं। आप एक शाश्वत खोजी व्यक्ति हो सकते हैं और व्यापार या धन कमाने वाली अन्य गतिविधियों में रुचि नहीं ले सकते। आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए और वाहन चलाते समय सावधान रहना चाहिए।

मंगल चतुर्थ भाव को देख रहा है। आप भूमि-संपत्ति, अन्य संपत्तियों या फ्लैट जैसी सुख-सुविधाओं का आनंद उठाएंगे। आप महत्वाकांक्षी और उद्यमशील होंगे। कभी-कभी घर और पारिवारिक वातावरण में आपमें धैर्य की कमी हो सकती है।

भाव चलित टिप्पणी — भाव चलित कुंडली में स्थिति परिवर्तन

चूंकि भाव चलित कुंडली के अनुसार आपका चतुर्थ भाव स्वामी लग्न में स्थित है, इसलिए आप भाव चलित कुंडली के अनुसार भी परिणाम अनुभव कर सकते हैं। अधिकांश मामलों में, अधिक प्रमुख प्रभाव भाव चलित कुंडली के अनुसार होंगे, जो सामान्यत: समय बीतने के साथ अनुभव किए जाते हैं। **भाव चलित कुंडली परिणाम :** आप एक शांतिप्रिय और सुखी व्यक्ति होंगे। मोक्ष त्रिकोण भाव (चतुर्थ) के स्वामी का धर्म त्रिकोण भाव (लग्न) में बैठना सामान्यत: शुभ माना जाता है। आपका हृदय पवित्र होगा, आप धर्मपूर्ण जीवन जीएंगे और सही आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। आप एक सुखद घरेलू वातावरण में जन्मे हैं, अपनी माता से जुड़े रहेंगे, एक विद्वान व्यक्ति होंगे, और नई-नई बातें सीखने में रुचि रखेंगे। आपको संपत्तियों, वाहनों और घरों से भी लाभ होगा। आप श्रोताओं के सामने बोलते समय अधिक आत्मविश्वासी नहीं हो सकते और आपमें संवाद क्षमता की कुछ कमी हो सकती है। आप अपने कार्यक्षेत्र में सफलता और सुख पाएंगे और अपने सीखे हुए कौशल का अपने व्यावसायिक जीवन में भली-भांति उपयोग करेंगे।

भाव चलित टिप्पणी — भाव चलित कुंडली में स्थिति परिवर्तन

भाव चलित कुंडली के अनुसार, केतु की स्थिति परिवर्तित हो जाती है ; समय के साथ आप भाव चलित कुंडली के अनुसार परिणामों को अधिक प्रभावी रूप से अनुभव कर सकते हैं। **भाव चलित कुंडली परिणाम :** चूंकि केतु चतुर्थ भाव में है, आप अत्यधिक सहज ज्ञानी, आध्यात्मिक होंगे और तत्वमीमांसा (मेटाफिजिक्स) अथवा इससे संबंधित कौशल रखेंगे जो सभी को आश्चर्यचकित कर सकते हैं। अपने घर, मातृभूमि और माता के प्रति जुड़ाव की लालसा रखते हुए भी आप उनसे विरक्त महसूस कर सकते हैं।

## पंचम भाव संतान, बुद्धि एवं सृजनशीलता ♍ कन्या

इस भाव के स्वामी ☿ बुध आपके **द्वादश** भाव में स्थित हैं। इस भाव में कोई ग्रह नहीं — फल भावेश के माध्यम से मिलेंगे।

आपकी पंचम राशि में अष्टकवर्ग बिंदुओं की संख्या औसत है। यह भाव ग्रहों द्वारा प्रदत्त फलों को न तो बढ़ाता है और न ही कम करता है। परिणाम आपके पंचमेश की स्थिति, गुरु की स्थिति और चल रही दशा पर निर्भर करते हैं।

आपकी कुंडली में बुध निर्बल हैं या किसी दु:स्थान भाव में स्थित हैं। आप स्पष्ट रूप से सोच तो सकते हैं, परंतु अपने विचारों को क्रमबद्ध करने में समय लगता है। आप किसी विषय को भली-भाँति समझ लेते हैं फिर भी उसे प्रस्तुत करने में कठिनाई अनुभव कर सकते हैं। स्मरण-शक्ति पर निर्भर रहने की तुलना में लिखित टिप्पणियाँ और एक निश्चित पद्धति आपके लिए अधिक सहायक सिद्ध होंगी।

आपके पंचम भाव के स्वामी दु:स्थान भाव में स्थित हैं। रचनात्मक कार्य, शिक्षा और संतान से संबंधित मामले अप्रत्यक्ष मार्ग अपना सकते हैं। शिक्षा में बाधा आ सकती है और बाद में वह फिर से शुरू हो सकती है, आप उन स्थानों के बाहर कौशल विकसित कर सकते हैं जो अन्यथा इसके लिए भुगतान करते, और संतान संबंधी योजनाएँ प्रत्याशित क्रम में नहीं चल सकतीं। यह आपको रोकता नहीं है। यह आपका मार्ग बदल देता है। इस प्रकार जो आप निर्मित करते हैं, वह सामान्यत: अधिक आपका अपना होता है।

आपका पंचमेश वक्री है। आप उस शिक्षा की ओर लौट सकते हैं जिसे आपने बीच में ही छोड़ दिया था। बीस वर्ष की आयु में छोड़ा गया कोई विषय चालीस वर्ष की आयु में फिर से अपनाया जा सकता है, और कोई रचनात्मक अभ्यास लंबे अंतराल के बाद फिर से शुरू हो सकता है। आपकी शिक्षा शायद ही कभी पहले प्रयास में पूरी होती है और शायद ही कभी दूसरे प्रयास में व्यर्थ जाती है।

पंचम भाव **संतान, अटकल (स्पेकुलेशन), उच्च शिक्षा, यश, अधिकार, प्रेम, बुद्धि आदि** से संबंधित विषयों को दर्शाता है। चूंकि आपका पंचमेश द्वादश भाव में स्थित है, जो **मोक्ष, आध्यात्मिकता, गुप्त शत्रु, सुख, व्यय और हानि** का प्रतिनिधित्व करता है। आप इस ब्रह्मांड के रहस्यों के पीछे की सच्चाई के खोजी होंगे। आप दूर देशों में अपनी शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। आप अपनी संतान के प्रति अत्यधिक सतर्क और अधिक मांग करने वाले भी हो सकते हैं। आध्यात्मिकता और पारिवारिक जीवन के साथ वैराग्य का संतुलन बनाए रखना लाभदायक रहेगा। आपकी संतान अपनी इच्छानुसार जीवन न जी पाने के कारण बंधन का अनुभव कर सकती है, जिससे आप और आपकी संतान के बीच कुछ मनमुटाव हो सकता है। आपको गुप्त शत्रुओं से सावधान रहना चाहिए। अटकल के व्यवसाय और शेयर बाजार से दूर रहना ही सर्वोत्तम रहेगा। हालांकि, विदेशी भूमि में आप अटकल संबंधी व्यवसाय में अच्छा कर सकते हैं। आप एक अच्छे लेखक या शिक्षाविद् बन सकते हैं।

चूंकि शुक्र पंचम भाव को देख रहे हैं, इसलिए आप विपरीत लिंग में लोकप्रिय होंगे। आपका प्रेम जीवन भी अच्छा रहेगा। आप कला और संगीत में रचनात्मक और प्रतिभाशाली हो सकते हैं। आपको शेयर बाजार और सट्टेबाजी से लाभ हो सकता है।

चूंकि मंगल पंचम भाव को देख रहे हैं, इसलिए आप व्यावसायिक जीवन में दृढ़ निश्चयी और सक्रिय रहेंगे। आपका प्रेम जीवन बहुत फलदायी नहीं हो सकता है और इसमें कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। आप संतान के प्रति सख्त हो सकते हैं

चूंकि 5वें भाव पर किसी शुभ ग्रह का सकारात्मक प्रभाव दृष्टि/युति के रूप में पड़ रहा है, इसलिए 5वें भाव से संबंधित विषयों में वृद्धि होगी और इससे 5वें भाव से जुड़े किसी भी नकारात्मक दोष में भी कमी आएगी।

## षष्ठ भाव स्वास्थ्य, सेवा एवं बाधाएँ ♎ तुला

इस भाव के स्वामी ♀ शुक्र आपके **एकादश** भाव में स्थित हैं। इस भाव में कोई ग्रह नहीं — फल भावेश के माध्यम से मिलेंगे।

आपका छठे भाव का स्वामी राशिगत बल और शक्ति से युक्त है। अधिकांश भावों में यह शुभ समाचार होता है। विरोध के भाव में इसका अर्थ है कि आपके शत्रु सक्षम हैं। आपके प्रतिस्पर्धी वास्तव में योग्य हो सकते हैं, आपके विवाद पूरी तत्परता से लड़े जा सकते हैं, और आप जो उत्तरदायित्व लेते हैं वे बड़े हो सकते हैं। इससे आपको भी लाभ होता है। आपमें निरंतर परिश्रम करने और उस टकराव को संभालने की प्रबल क्षमता है जिससे अन्य लोग बचते हैं। जिन व्यवसायों में प्रतिस्पर्धा शामिल है, उनमें आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं, और जब आप किसी टकराव को नज़रअंदाज़ करने का दिखावा करते हैं, तब आप असफल होते हैं।

छठा भाव कठिनाई जितना ही स्वास्थ्य-लाभ पर भी शासन करता है, और आपकी कुंडली में इसका स्वामी अशुभ स्थिति में नहीं है। लंबी मांग के तहत भी आपकी सहनशक्ति बनी रहती है। आप असफलताओं को आगे ढोने के बजाय उनसे उबर जाते हैं। एक नियमित दिनचर्या आपकी तीव्र प्रयास से अधिक मदद करती है। नियमित नींद और नियमित भोजन आपके लिए किसी भी उतार-चढ़ाव वाले कार्यक्रम से अधिक मूल्यवान हैं।

आपकी छठी राशि में अष्टकवर्ग बिंदुओं की संख्या औसत है। आपका विरोध और दायित्व सामान्य स्तर पर बने रहते हैं। इनका समाधान कैसे होगा, यह आपके छठे भाव के स्वामी की स्थिति और चल रही दशा पर निर्भर करता है।

शनि आपके षष्ठ भाव पर दृष्टि डालता है। इस भाव में शनि अच्छा फल देता है। आप अपने विरोधियों को शीघ्र पराजित करने के बजाय उनसे अधिक समय तक टिके रह सकते हैं। ऋण के मामले में आप स्थिर रह सकते हैं और धीरे-धीरे ही पूरा भुगतान कर सकते हैं। आपके स्वास्थ्य को उपचार से अधिक नियमित दिनचर्या की आवश्यकता हो सकती है। बार-बार परिवर्तन की तुलना में एक ही स्थान पर लंबे समय तक सेवा करना आपके लिए अधिक उपयुक्त हो सकता है।

भाव बल की दृष्टि से आपका छठा भाव आपकी कुंडली में सबसे कमज़ोर भावों में से एक है। इस भाव के लिए यह अच्छा है। आपके जीवन में विरोध, ऋण और बीमारी के पीछे बहुत कम बल है। आपके विरोधियों ने आपको वास्तविक हानि से अधिक परेशानी पहुँचाई है, और आगे भी यही सिलसिला जारी रहने की संभावना है।

छठा भाव आपकी माता के परिजनों को भी दर्शाता है, अर्थात उनके पक्ष के मामा, मामी और मौसेरे-ममेरे भाई-बहन। आपकी कुंडली में यह भाव सशक्त है। मातृ पक्ष ने आपको व्यावहारिक रूप से सहायता दी हो सकती है। जब आवश्यकता पड़ी हो तब वे साथ आए हों, आपके कार्यक्षेत्र में कोई द्वार खोला हो, या जब अन्य लोग दूर होते गए हों तब भी वे संपर्क में बने रहे हों। आपने जो भी उत्तरदायित्व निभाए हैं, वे प्राय: इस पक्ष के प्रति ही अधिक रहे हैं, दूसरे पक्ष की तुलना में।

छठा भाव **सेवा, बीमारी, ऋण, शत्रु, संबंधी, कृषि आदि** से संबंधित विषयों को दर्शाता है। चूंकि आपका छठे भाव का स्वामी एकादश भाव में स्थित है, जो **लाभ, आय, बड़े भाई-बहन और सामाजिक नेटवर्क** का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए आप अपनी इच्छाओं और सपनों के प्रति दृढ़ और अत्यधिक केंद्रित हैं। आप अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए योजना बनाने और क्रियान्वित करने में पर्याप्त चतुर और कुशल हैं। आप सांसारिक सुख-सुविधाओं की ओर झुकाव रखते हैं और इन चीजों पर अधिक खर्च कर सकते हैं। अपने परिवार के भीतर हो रहे अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा आपके जीवन में आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकता है। आप अपने लाभ के लिए शत्रुओं का सामना करने में चतुर, साहसी और साहसिक होंगे। आप अपने शत्रुओं और प्रतिस्पर्धाओं से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। चूंकि छठा और एकादश भाव उपचय भाव कहलाते हैं, इसलिए शक्ति और सकारात्मकता समय के साथ संचित होती रहेगी, और आप बाद में सकारात्मक परिणामों की आशा कर सकते हैं। आपका सामाजिक नेटवर्क अच्छी तरह से जुड़ा हुआ होगा ; हालांकि, आपको ईर्ष्यालु दृष्टि और छिपे हुए शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है।

**आपकी सम्पूर्ण वैदिक कुंडली रिपोर्ट — 40+ पृष्ठों की PDF** रिपोर्ट पाएँ →
feelastro.com/horoscope-report/hi

## सप्तम भाव विवाह एवं साझेदारी ♏ वृश्चिक

इस भाव के स्वामी ♂ मंगल आपके **दशम** भाव में स्थित हैं। इस भाव में कोई ग्रह नहीं — फल भावेश के माध्यम से मिलेंगे।

शुक्र, विवाह और साझेदारी के कारक, आपकी कुंडली में बलवान हैं और दुष्स्थान भावों से बाहर स्थित हैं। आप साझेदारी के लिए सुयोग्य हैं। आप उन लोगों की ओर आकर्षित होते हैं जिनके साथ रहना सहज हो, न कि उनकी ओर जो आपको रोमांचित करते हैं। आपके लिए टिकने वाले रिश्ते वही होते हैं जो शुरुआत से ही सहज रहे हों। आप स्नेह अपने कार्यों से प्रकट करते हैं, शब्दों से नहीं।

आपकी उपपद लग्न आपके लग्न से एक दु:स्थान भाव में स्थित है। आपके विवाह को अपने आप चलते रहने देने के बजाय सोच-समझकर देखभाल की आवश्यकता हो सकती है। आप दोनों को अपनी अपेक्षाएँ खुलकर व्यक्त करने की ज़रूरत पड़ सकती है। तनाव के समय को भीतर ही भीतर सहने के बजाय शुरुआत में ही सुलझा लें। इसे इस खंड के बाकी हिस्सों के साथ मिलाकर पढ़ें, क्योंकि केवल एक संकेत से कुछ भी निश्चित नहीं होता।

आपके सप्तमेश में राशिगत बल या शक्ति है। आप एक दीर्घकालिक संबंध निभा सकते हैं, समझौतों में निष्पक्षता से व्यवहार कर सकते हैं, और जो लोग आपसे प्रतिबद्ध होते हैं वे आप पर भरोसा कर सकते हैं। इसी कारण आपके सार्वजनिक व्यवहार भी अच्छे रहते हैं। लोग आपको भरोसेमंद मानते हैं, इससे पहले कि आपने इसे अर्जित करने के लिए कुछ किया हो।

आपकी 7वीं राशि में अष्टकवर्ग बिंदुओं की संख्या अधिक है। आपकी साझेदारी में अपनी स्वयं की क्षमता है। आपके संबंध टूटे बिना तनाव सहन कर लेते हैं, और आपके समझौते टिके रहते हैं। इस राशि से गुजरने वाले गोचर आमतौर पर लोगों को आपके जीवन से दूर करने के बजाय आपके जीवन में लाते हैं।

सातवां भाव **विवाह, जीवनसाथी, साझेदारी, व्यवसाय, कामुकता, जोश और विदेश यात्रा** से संबंधित मामलों को दर्शाता है। चूंकि आपका 7वां भाव स्वामी 10वें भाव में स्थित है, जो **कर्म, पेशा, व्यक्तिगत विकास, प्रसिद्धि, पुरस्कार आदि** का प्रतिनिधित्व करता है, आपका पति एक स्वतंत्र व्यक्ति होगा जिसमें कर्तव्य और उत्तरदायित्व की भावना होगी। वे समर्पित और वफादार भी होंगे। संभावना है कि आप अपने पेशेवर जीवन के भीतर से ही अपना जीवनसाथी पा सकती हैं। आपका पति सामाजिक दायरे में भी अच्छी प्रतिष्ठा प्राप्त करेगा और सम्मानित होगा। आप धर्मपरायण और आध्यात्मिक होंगी और परिवार व व्यावसायिक जीवन में सामाजिक मानदंडों और सिद्धांतों का पालन करेंगी। यह सलाह दी जाती है कि आप अपने पति के साथ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और स्थान बनाए रखें और परिवार व व्यावसायिक जीवन को न मिलाएं। आपका जीवनसाथी आपके काम से संबंधित बार-बार यात्रा कर सकता है और परिवार से दूर रह सकता है। अपने ससुराल वालों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने से पारिवारिक जीवन में सामंजस्य आएगा। आपका भाग्य और धन विदेशी भूमि से आ सकता है, और आप दूर देश में भी नाम और प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी। यह ग्रह संयोजन धन उत्पन्न करता है ; आप वित्तीय रूप से स्थिर और सुदृढ़ रहेंगी। आपको सरकार या उच्च अधिकारियों से भी लाभ हो सकता है। यदि आप राजनीति में हैं, तो आप नाम और प्रसिद्धि प्राप्त कर सकती हैं।

आप वर्तमान में अपने 7वें भाव के स्वामी मंगल की महादशा से गुजर रहे हैं। यह दशा आपकी कुंडली का रुख अन्य लोगों की ओर मोड़ देती है। विवाह, साझेदारी, समझौते और सार्वजनिक व्यवहार सभी सामने आते हैं। इस दौरान आप जो प्रतिबद्धताएँ करेंगे, वे आने वाले वर्षों को आकार देने की संभावना रखती हैं। इस दशा में किसी भी बाध्यकारी समझौते को लेकर जल्दबाज़ी न करें, और अपनी नियमित चिकित्सा जाँच भी करवाते रहें।

भाव चलित टिप्पणी — भाव चलित कुंडली में स्थिति परिवर्तन

चूंकि भाव चलित कुंडली के अनुसार आपका 7वां भाव स्वामी 11वें भाव में है, आप भाव चलित कुंडली के अनुसार भी परिणाम अनुभव कर सकती हैं। अधिकांश मामलों में, अधिक प्रमुख प्रभाव भाव चलित कुंडली के अनुसार होंगे, जो सामान्यत: समय बढ़ने के साथ अनुभव किए जाते हैं। **भाव चलित कुंडली परिणाम :** आपका पति बहुत धर्मपरायण और पुनीत होगा। वे नैतिक जीवन की ओर झुके होंगे और सुंदर होंगे। विवाह के बाद या अपने पति की सहायता से आप आर्थिक रूप से लाभान्वित होंगी और धन-संपत्ति संचित करेंगी। आपका पति सामाजिक रूप से स्वीकृत और सुसंबद्ध होगा, और उन सामाजिक नेटवर्कों से लाभान्वित होगा। यह ग्रह स्थिति आपके शत्रुओं के उन्मूलन या निष्प्रभावीकरण को भी दर्शाती है, इसलिए आप अपने शत्रुओं के विरुद्ध सहज सूझबूझ रखेंगी और पहले से ही बचाव संबंधी कार्रवाई करने में सक्षम होंगी। आप आध्यात्मिक रुझान वाली, एक अच्छी गृहिणी होंगी और अपने ससुराल वालों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने में सक्षम होंगी। आप ऐसे व्यवसाय में संलग्न हो सकती हैं जहां बड़ी जनसंख्या शामिल हो या किसी बड़े संगठन का हिस्सा हो। आप साझेदारी व्यवसाय से लाभान्वित होंगी, विशेष रूप से यदि आपका साझेदार आपका पति हो। आप विदेशी भूमि या संबंधों से भी धन प्राप्त कर सकती हैं। आपके बड़े भाई-बहन सफल और भाग्यशाली हो सकते हैं। चूंकि 7वां और 11वां दोनों भाव काम त्रिकोण या इच्छाओं के भाव कहलाते हैं, आप अपने पति के साथ मजबूत बंधन का आनंद लेंगी, और उनके साथ मिलकर आप अपनी इच्छाओं और सपनों को पूरा कर सकती हैं।

## अष्टम भाव आयु, गूढ़ता एवं परिवर्तन ♐ धनु

इस भाव के स्वामी ♃ गुरु आपके **द्वितीय** भाव में स्थित हैं। इस भाव में **चन्द्र** विराजमान हैं।

आपके अष्टम भाव को शुभ दृष्टि प्राप्त है। आपके जीवन में परिवर्तन सामान्यत: चेतावनी के साथ आता है और आपको पहले से बेहतर स्थिति में छोड़ जाता है। जो परिवर्तन उस समय अचानक प्रतीत हुए, वे बाद में सार्थक साबित हुए। उथल-पुथल के दौरान आप सुरक्षित रहते हैं, इसलिए नहीं कि विघटन अनुपस्थित होता है, बल्कि इसलिए कि सबसे कठिन समय से पहले सहायता विश्वसनीय रूप से पहुँच जाती है। आप शायद जितना सोचते हैं उससे कहीं अधिक सहनशील हैं।

आपके अष्टम भाव स्वामी को राशिगत बल या शक्ति प्राप्त है और वे दु:स्थान भावों से बाहर स्थित हैं। आपके अष्टम भाव के विषय वास्तविक महत्व रखते हैं। आपके परिवर्तन छोटे नहीं बल्कि बड़े होते हैं। आपकी संयुक्त वित्तीय व्यवस्थाएँ महत्वपूर्ण हैं। किसी विषय की गहराई में जाने की आपकी क्षमता वास्तविक है। सामान्य से अधिक उथल-पुथल वाला जीवन साथ ही सामान्य से अधिक गहराई वाला जीवन भी होता है।

आपकी 8वीं राशि में अष्टकवर्ग बिंदुओं की संख्या औसत है। परिवर्तन और गहराई आपके जीवन में सामान्य शक्ति के साथ काम करते हैं। ये किस प्रकार प्रकट होंगे, यह आपके अष्टम भाव के स्वामी की स्थिति और चल रही दशा पर निर्भर करता है।

गुरु आपके अष्टम भाव पर दृष्टि डालता है। यह इस भाव को मिल सकने वाला सर्वोत्तम प्रभाव है। जब भी व्यवधान आते हैं, सामान्यत: पहले से कुछ न कुछ व्यवस्थित होता है उनका सामना करने के लिए। परिवर्तन के समय में आपके पास सलाह, साधन या लोग हो सकते हैं जो संक्रमण को संभालने योग्य बनाते हैं। आप किसी कठिनाई के अर्थ को समझने का प्रयास करते हैं, न कि केवल उससे बचने के उपाय खोजते हैं।

अष्टम भाव उन बातों का प्रतिनिधित्व करता है जो कही नहीं जाती हैं, और आपकी कुंडली में इस भाव में ग्रह स्थित हैं। आपके जीवन का एक भाग ऐसा है जिसे आपके निकटतम लोग भी नहीं देख पाते। उनसे कुछ छिपाया नहीं जा रहा है। आप स्वभाव से ऐसे बने हैं कि कुछ बातें साझा न करें, और इसके विपरीत करना आपको असहज बनाता है। इससे आप दूसरों के भरोसे को बनाए रखने में कुशल बनते हैं। इसका अर्थ यह भी है कि जब आप संघर्ष कर रहे होते हैं, तो आपके आस-पास के लोगों को इसका पता उतनी जल्दी नहीं चलता जितना वे चाहते हैं।

आठवाँ भाव **रहस्य, गूढ़ विद्या, अचानक घटित होने वाली घटनाएँ, दीर्घायु, गुप्त धन आदि** को दर्शाता है। चूँकि आपका आठवें भाव का स्वामी दूसरे भाव में स्थित है, जो **स्थायी संपत्ति, धन, परिवार, भोजन, चेहरा, आवाज़ और वाणी** को दर्शाता है, यदि आप एक अच्छे वित्तीय योजनाकार नहीं हैं तो आपको धन और संपत्ति में अचानक गिरावट देखने को मिल सकती है। दूसरे भाव में आठवें भाव का स्वामी एक मजबूत मारक (हत्यारा ग्रह) प्रभाव रखता है, इसलिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और शरीर के अस्वस्थ लक्षणों पर उचित चिकित्सा ध्यान देने की सलाह दी जाती है ; अन्यथा, आठवें भाव के स्वामी की दशा या अंतर्दशा अवधि जानलेवा भी हो सकती है। हालाँकि, यह ग्रह संयोजन आठवें भाव के स्वामी की आठवें भाव पर दृष्टि के कारण अचानक धन लाभ जैसी कुछ अच्छी बातें भी उत्पन्न करता है। आप स्वस्थ भोजन पद्धति का पालन नहीं कर सकते या अपने भोजन को पसंद नहीं कर सकते। विशेष रूप से मध्यम आयु में आपको आँखों की समस्या या दंत रोग हो सकते हैं, और आपको अपने विकृत दाँत ठीक करवाने पड़ सकते हैं। आपको वैवाहिक जीवन में अप्रत्याशित और अप्रिय घटनाओं का भी सामना करना पड़ सकता है। आप ऐसे स्रोतों से धनवान बन सकते हैं जो दूसरों को ज्ञात नहीं हैं, या संभावना है कि आप अपने आय के स्रोत मित्रों और रिश्तेदारों को नहीं बताएँगे।

चूँकि चंद्रमा अष्टम भाव में स्थित है, आपको अपने जीवनसाथी के माध्यम से अप्रत्याशित आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकते हैं। आप अनजान विषयों को लेकर चिंता और भय का अनुभव कर सकते हैं। किसी भी प्रकार के व्यसन से दूर रहने की सलाह दी जाती है। सामान्यतः आपका वैवाहिक जीवन शांतिपूर्ण रहेगा, और आपका जीवनसाथी सहयोगी होगा, लेकिन कभी-कभी आपको वैवाहिक सुख की कमी का अनुभव हो सकता है। आपकी आयु दीर्घ होगी।

## नवम भाव भाग्य, धर्म एवं पिता ♑ मकर

इस भाव के स्वामी ♄ शनि आपके **नवम** भाव में स्थित हैं। इस भाव में **शनि, राहु** विराजमान हैं।

आपका नवम भाव स्वामी स्वक्षेत्र या उच्च राशि में केंद्र या त्रिकोण भाव में स्थित है, और आपका लग्न स्वामी भी शुभ स्थिति में है। यह लक्ष्मी योग है। समय सामान्यतः आपके पक्ष में काम करता है। बिना मांगे भी सहायता आप तक पहुँच सकती है, और आपके प्रयासों को दूसरों की तुलना में कम प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। लोग सामान्यतः आप पर विश्वास करते हैं, और यह विश्वास प्रायः अर्जित होता है।

आपके नवम भाव में पाप ग्रह का प्रभाव है और कोई शुभ दृष्टि नहीं है, हालाँकि इसका स्वामी बुरी स्थिति में नहीं है। आप अपने पिता का सम्मान कर सकते हैं और साथ ही उनसे असहमत भी हो सकते हैं। यह असहमति आपके जीवन की दिशा या सिद्धांतों को लेकर हो सकती है। उनसे तर्क-वितर्क करना ही संभवतः वह जगह है जहाँ आपने अपनी बात पर टिके रहना सीखा। इस संबंध को सोच-समझकर बनाए रखें, क्योंकि यह स्वयं नहीं बना रहेगा।

पिता के कारक सूर्य आपकी कुंडली में कमज़ोर हैं या किसी दुःस्थान भाव में स्थित हैं। आपके पिता का सहयोग उपस्थित तो रहा हो सकता है, परंतु सीमित रहा। वे आपके लिए महत्वपूर्ण रहे होंगे, बिना पूरी तरह उपलब्ध हुए। आपने विरासत में मिलने के बजाय स्वयं अपना अधिकार निर्मित किया हो सकता है, और भले ही आप उसे भली-भाँति संभालते हों, फिर भी आप उसे धारण करते समय असहज महसूस कर सकते हैं।

आपका नवम भाव दो पाप ग्रहों के मध्य स्थित है। यह पाप कर्तरी योग है। आपका भाग्य सदैव कुछ शर्तों के साथ आता रहा है। सहायता के साथ अक्सर कोई बाध्यता जुड़ी रही होगी, और अच्छे समय के बदले में कुछ कठिन देना पड़ा होगा। लंबी यात्राओं और संस्थानों से जुड़े मामलों में आपके लिए घर्षण बना रहता है। इस प्रक्रिया के साथ धैर्य रखें, और इन शर्तों को अपने प्रति किए गए अपमान के रूप में न लें।

आपके नवम भाव के स्वामी में बल या दिग्बल है। अवसर सामान्यतः उस समय सामने आते हैं जब आप उनके लिए तैयार होते हैं। कठिन परिस्थितियाँ अनुमान से अधिक बार सुलझ जाती हैं। आपने शायद देखा हो कि आप प्रायः सही समय पर सही स्थान पर पहुँच जाते हैं। इसका उपयोग करें, इस पर निर्भर न रहें, क्योंकि यह योग उन्हें पुरस्कृत करता है जो तैयार रहते हैं।

आपकी नवम राशि में अष्टकवर्ग बिंदुओं की संख्या औसत है। यह भाव ग्रहों की वचनबद्ध फलदायिता को न तो बढ़ाता है और न ही घटाता है। परिणाम आपके नवमेश की स्थिति, गुरु की स्थिति और चल रही दशा पर निर्भर करते हैं।

राहु आपके 9वें भाव में स्थित हैं। आप अपने जन्मस्थान से दूर रहकर काम या निवास कर सकते हैं। आपके विश्वास आपके परिवार से भिन्न हो सकते हैं। लंबी यात्राएं आपके जीवन का नियमित हिस्सा हैं, और जो यात्राएं वास्तव में मायने रखती थीं, वे शायद वे नहीं थीं जिनकी आपने सबसे सावधानी से योजना बनाई थी। यह प्रवृत्ति आपके जीवन को अस्थिर करने के बजाय विस्तृत करती है।

चूँकि सूर्य मृत अवस्था में है, यह अपनी शक्ति का केवल एक छोटा भाग ही प्रदान करता है। आपकी कुंडली सूर्य के माध्यम से जो कुछ भी वचन देती है, वह क्षीण रूप में प्राप्त होता है। आपके पिता का सहयोग, आपका अपना अधिकार और आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा—ये सभी अपनी स्थितियों के संकेत से कम फल देते हैं। ये वास्तविक हैं, परंतु इनके लिए कुंडली के संकेत से अधिक प्रयास की आवश्यकता है।

आपका नवम भाव स्वामी वक्री है। आप बार-बार उन्हीं प्रश्नों पर लौटते हैं। जिस दर्शन को एक बार छोड़ दिया गया था उसे पुनः अपनाया जा सकता है, जो अध्ययन अधूरा छोड़ा गया था वह पुनः आरंभ हो सकता है, और किसी स्थान की यात्रा एक से अधिक बार हो सकती है। आप धीरे-धीरे अपनी मान्यताओं तक पहुंचते हैं और दूसरों की तुलना में उन्हें अधिक बार संशोधित करते हैं। यह बाहर से असंगति जैसा प्रतीत होता है परंतु वास्तव में यह ईमानदारी के अधिक निकट है।

आपका नवम भाव स्वामी वर्गोत्तम है। यह राशि चक्र और नवमांश दोनों में समान राशि में स्थित है। आपकी मान्यताएँ स्थिर हैं और जीवन भर बहुत कम बदलती हैं। आपको मिलने वाला सौभाग्य कभी-कभार का नहीं बल्कि भरोसेमंद है।

नवम भाव **पिता, गुरु, विदेश यात्रा, भाग्य, उच्च ज्ञान, धर्म, ईश्वर आदि** से संबंधित विषयों को दर्शाता है। चूँकि आपका नवमेश अपने ही भाव में स्थित है, इसलिए आप सामान्यत: अत्यंत भाग्यशाली रहेंगे। आपके पिता दीर्घायु और प्रभावशाली व्यक्ति होंगे। आपकी सफलता आपके स्वयं के प्रयासों और दृढ़ संकल्प से प्राप्त होगी। आप स्वयं के बलबूते उच्च बुद्धि और ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होंगे। चूँकि नवमेश तृतीय भाव पर दृष्टि डाल रहा है, इसलिए आपके छोटे भाई-बहनों के साथ आपके सौहार्दपूर्ण संबंध रहेंगे। वे भाग्यशाली और समृद्ध होंगे। यह ग्रह संयोजन अत्यंत शुभ माना जाता है, जो व्यक्ति को अत्यंत धनवान और सफल बनाता है, और आप धर्मपूर्ण जीवनशैली के माध्यम से इसके सकारात्मक परिणामों का लाभ उठा सकेंगे। आपकी आध्यात्मिक प्रवृत्ति शुद्ध और सशक्त होगी, जो आपकी सफलता की प्रेरक शक्ति बनेगी। आप सामाजिक जीवन में एक द्वैधता बनाए रख सकते हैं, जिससे आपके नेटवर्क में भ्रम उत्पन्न हो सकता है। हालाँकि, आपकी सार्वजनिक छवि ऊँची और अच्छी बनी रहेगी। आप विदेशी संबंधों या विदेशों के माध्यम से धनवान बन सकते हैं। आपका व्यक्तित्व भी सुखद और आपकी संवाद-क्षमता प्रभावशाली होगी। आप किसी भी पुण्य कार्य को करने का साहस रखेंगे और दूसरों तथा उच्च अधिकारियों का समर्थन एवं प्रशंसा प्राप्त करेंगे।

चूँकि राहु नवम भाव में स्थित है, इसलिए आपकी धार्मिक मान्यताएँ और संबंधित जीवनशैली दूसरों से भिन्न होंगी। आप जो उपदेश देते हैं या कहते हैं, हो सकता है कि आप स्वयं उसका पालन न करें। आपका जीवनसाथी रिश्तों में मांग करने वाला हो सकता है। आपको पैतृक संपत्ति को लेकर परेशानी या अपने पिता के साथ गलतफहमियाँ भी हो सकती हैं। आप विदेश यात्राएँ करेंगे। आप धन-केंद्रित सोच वाले हैं और उसके लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

चूंकि शनि नवम भाव में है, आप आध्यात्मिक कर्म में विश्वास रखते हैं परंतु दूसरों को आध्यात्मिक नहीं लग सकते। आप अपने तरीकों में धार्मिक और पारंपरिक रहेंगे, और कभी-कभी आप एक सख्त माता-पिता हो सकते हैं। आप अपने कार्यों में धर्मनिष्ठ हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। आप विदेश यात्रा कर सकते हैं और वहां भाग्य व धन अर्जित कर सकते हैं। हालांकि, जीवन में बाधाएं आ सकती हैं जिन्हें आप अपनी अनुशासित मानसिकता और दृढ़ संकल्प से पार करने में सक्षम होंगे।

## दशम भाव कर्म, व्यवसाय एवं प्रतिष्ठा ♒ कुंभ

इस भाव के स्वामी ♄ **शनि** आपके **नवम** भाव में स्थित हैं। इस भाव में **मंगल** विराजमान हैं।

आपके 10वें भाव का स्वामी वर्गोत्तम है। वह राशि चक्र और नवमांश दोनों में एक ही राशि में स्थित है। आपका कामकाजी जीवन स्थिर है। जिस प्रकार का काम बीस वर्ष की आयु में आपके अनुकूल होता है, वही पचास वर्ष की आयु में भी अनुकूल रहने की संभावना है, इसलिए बाद में क्षेत्र बदलने से आपको संतुष्टि मिलने की संभावना कम है।

एक पाप ग्रह आपके दशम भाव में स्थित है और एक शुभ ग्रह उस पर दृष्टि डालता है। पाप ग्रह आपको जोश और कठिन परिस्थितियों को सहने की क्षमता देता है। शुभ ग्रह इसे इतना नहीं बढ़ने देता कि आप साथ काम करने में कठिन व्यक्ति बन जाएँ। यह इस भाव के लिए लगभग सर्वोत्तम स्थिति है। आप अपने आस-पास के लोगों को खोए बिना कठिन प्रयास कर सकते हैं।

आपका अमात्यकारक मंगल है, और यह आपके 10वें भाव से जुड़ा है। अमात्यकारक जैमिनी ज्योतिष में पेशे का सूचक है, इसलिए आपकी जीविका और आपकी स्वाभाविक क्षमता एक ही चीज़ हैं। आपके कार्य में बल, उपकरण या प्रतिस्पर्धा शामिल होने की संभावना है। इंजीनियरिंग, शल्य चिकित्सा, रक्षा क्षेत्र, खेल, भूमि और निर्माण कार्य आपके लिए उपयुक्त हो सकते हैं।

आपके दशम भाव स्वामी को राशिगत बल या शक्ति प्राप्त है। आपका क्षेत्र चाहे जो भी हो, आप किसी पद को संभाल सकते हैं और आप पर भरोसा किया जा सकता है। आपका प्रयास बिना किसी असाधारण भाग्य के प्रतिष्ठा में बदल जाता है। आपको अधिकांश लोगों की तुलना में अधिक विश्वसनीय ढंग से आपकी योग्यता के कारण पदोन्नति मिलती है। यह एक शांत लाभ है और एक दुर्लभ भी।

आपकी दशम राशि में अष्टकवर्ग बिंदुओं की संख्या अधिक है। आपके कार्यक्षेत्र में स्वयं की सामर्थ्य है। आपके पद स्थिर रहते हैं, और आपकी प्रतिष्ठा उथल-पुथल के बावजूद बची रहती है। इस राशि से गुजरने वाले गोचर पदोन्नति या नौकरी परिवर्तन के लिए तुलनात्मक रूप से बेहतर अवसर प्रदान करते हैं।

आपके दशमेश वक्री हैं। आपका करियर बार-बार मुड़कर आता है। हो सकता है आप कोई क्षेत्र छोड़कर उसमें फिर लौटें, किसी नियोक्ता से फिर जुड़ें, या यह पाएँ कि जिन कौशलों को आपने वर्षों पहले छोड़ दिया था, वही अब सबसे महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। बाहर से देखने पर आपकी प्रगति असमान लगती है, परंतु वह एक विशेष क्रम का अनुसरण करती है। जिस चीज़ की ओर आप लौटते हैं, वह सामान्यतः कोई अधूरा काम होता है, न कि कोई असफलता।

दशम भाव **कर्म, वृत्ति, व्यक्तिगत विकास, यश, पुरस्कार आदि** का सूचक है। चूंकि आपका दशमेश नवम भाव में स्थित है, जो **पिता, गुरु, विदेश यात्रा, भाग्य, उच्च ज्ञान, धर्म, ईश्वर आदि** का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए आप अपने वृत्ति और व्यावसायिक जीवन में स्वाभाविक रूप से भाग्यशाली रहेंगे। आप किसी पेशेवर रूप से सुस्थापित परिवार में या किसी स्थापित व्यवसाय वाले परिवार में जन्म ले सकते हैं। आप धर्मपरायणता और सत्यनिष्ठा की ओर झुके रहेंगे, जो व्यवसाय चलाने या पेशेवर भूमिका निभाने में आपका उद्देश्य होगा। आप धनवान होंगे, आपकी आर्थिक स्थिति मज़बूत और सुदृढ़ रहेगी, और आप दान-पुण्य में उदार रहेंगे। शक्तिशाली केंद्र भाव (दशम भाव) और त्रिकोण भाव (नवम भाव) के बीच का यह संबंध सामान्यतः राजयोग माना जाता है और भाग्य, दिव्य कृपा, समृद्धि तथा ज्ञान के लिए अत्यंत शुभ है। समय के साथ आपकी सामाजिक स्थिति में सुधार होगा, और आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा, नाम व यश अच्छा रहेगा। आप व्यवसाय, वृत्ति या उच्च शिक्षा के लिए विदेश यात्रा कर सकते हैं। आप अपने सभी कार्यों में पिता से अच्छे समर्थन की आशा कर सकते हैं। आप धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों में जानकार होंगे, परन्तु अधिक रूढ़िवादी नहीं होंगे। आप नए युग और समय के अनुसार सामाजिक परिवर्तनों को स्वीकार करने के लिए तैयार रहेंगे।

चूँकि मंगल दशम भाव में है, इसलिए एक शक्तिशाली योग बनता है जिसे **कुलदीपक** (परिवार का सितारा) कहा जाता है, जो आपको परिवार में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति बनाता है, जो दूसरों के लिए नाम और यश लाता है। आप अत्यंत महत्वाकांक्षी, आशावादी और दृढ़ संकल्पी होंगे, और यह बाद के वर्षों में आपको प्रमुखता और समृद्धि की ओर बढ़ने में सहायता करेगा। अन्य लोग आपके नेतृत्व और संगठन कौशल की प्रशंसा करेंगे।

भाव चलित टिप्पणी — भाव चलित कुंडली में स्थिति परिवर्तन

भाव चलित कुंडली के अनुसार, राहु की स्थिति बदल जाती है ; समय बीतने के साथ आप भाव चलित कुंडली के अनुसार परिणामों का अधिक प्रभावी ढंग से अनुभव कर सकते हैं। **भाव चलित कुंडली परिणाम :** चूंकि राहु दशम भाव में है, आप अपने व्यावसायिक जीवन में बहुत महत्वाकांक्षी, साहसी और मेहनती होंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र और कौशल में प्रसिद्ध होंगे। जब तक आप अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा होते हुए नहीं देख लेते, तब तक आप चैन से नहीं बैठेंगे। आपकी नींद कम या असामान्य हो सकती है। सामान्यतः, यह ग्रह स्थिति विपरीत राजयोग के समान होती है, जहां जीवन की एक नकारात्मक परिस्थिति समृद्धि और सफलता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरणा बन जाती है।

## एकादश भाव लाभ, आय एवं आकांक्षाएँ ♓ मीन

इस भाव के स्वामी ♃ गुरु आपके **द्वितीय** भाव में स्थित हैं। इस भाव में **शुक्र** विराजमान हैं।

शुभ ग्रह आपकी कुंडली के उपचय भावों में स्थित हैं। यह आपको भौतिक स्वतंत्रता प्रदान करता है। हो सकता है आप बहुत अधिक धनवान न बनें, लेकिन आपके अपनी परिस्थितियों के लिए किसी और पर निर्भर रहने की संभावना नहीं है। आपके संसाधन साधारण स्रोतों से एक साथ आने के बजाय धीरे-धीरे और स्थिर रूप से बढ़ते हैं, और जो आप एकत्र करते हैं उसे खोना कठिन होता है। हो सकता है आप अपने परिचितों में सबसे धनवान न हों, लेकिन आप उनमें से अधिकांश की तुलना में धन को लेकर कम चिंतित रहते हैं।

आपके एकादश भाव को शुभ दृष्टि प्राप्त है और इसका स्वामी अशुभ स्थिति में नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपकी व्यावहारिक रूप से सहायता करते हैं। वे आपके लिए द्वार खोलते हैं, बिना कहे आपकी वकालत करते हैं, और जब कुछ करने की आवश्यकता होती है तो उपस्थित हो जाते हैं। आपके बड़े भाई-बहनों और वरिष्ठ मित्रों ने केवल स्नेह ही नहीं बल्कि वास्तविक सहायता भी दी है। आपकी कुंडली जो कुछ वादा करती है, उसका अधिकांश हिस्सा इन्हीं लोगों के माध्यम से आप तक पहुंचता है।

आपका एकादश भाव दो पाप ग्रहों के बीच स्थित है। यह पाप कर्तरी योग है। आपके लाभ सीमाओं के साथ आते हैं। आय के साथ दायित्व भी जुड़े हो सकते हैं, आपकी महत्वाकांक्षाएँ उन परिस्थितियों से बाधित हो सकती हैं जिन्हें आपने स्वयं नहीं चुना, और आपका सामाजिक दायरा आपको जितना लौटाता है, उतना ही खर्च भी कर सकता है। इस दबाव ने आपको रोका नहीं है, बल्कि आपकी सहायता ही की है। आपने वहाँ आय ढूँढना सीख लिया है जहाँ सरल कुंडलियाँ कभी नज़र ही नहीं डालतीं।

आपके 11वें भाव के स्वामी में राशिगत बल या शक्ति है। जो आप प्राप्त करने का प्रयास करते हैं, सामान्यत: आप उसे प्राप्त कर लेते हैं। आपके द्वारा स्थापित आय के स्रोत टिके रहते हैं। आपकी इच्छाएँ रुकती नहीं हैं, परंतु वे एक-एक करके पूरी होती हैं। आपको वह मिलता है जो आप चाहते हैं, हालांकि शायद ही कभी सब कुछ एक साथ और शायद ही कभी उस क्रम में जिस क्रम में आप चाहते थे।

आपकी 11वीं राशि में अष्टकवर्ग बिंदु कम हैं। आपकी आय को यूं ही बढ़ने के भरोसे छोड़ने के बजाय जानबूझकर संवर्धन की आवश्यकता है। अपने आय के स्रोतों की देखभाल करें, यह मान लेने के बजाय कि वे यूं ही चलते रहेंगे, और अपने नेटवर्क को सक्रिय रखें, उसे अकेला छोड़ने के बजाय। इस राशि से गुजरने वाले गोचर विस्तार करने के बजाय जो कुछ है उसे सुरक्षित करने की अवधियां हैं।

शनि आपके एकादश भाव पर दृष्टि डालता है। शनि इस भाव में अच्छा फल देते हैं। आपकी आय धीरे-धीरे बढ़ती है और घटती नहीं है। आपको दीर्घकालिक सेवा से, वृद्ध लोगों से, या ऐसे कार्य से लाभ हो सकता है जिसे अन्य लोग नीरस मानते हैं। आपके बड़े भाई-बहन आपसे दूर रहे होंगे, या आप उनके बिना बड़े हुए होंगे। यहाँ जो कुछ आप बनाते हैं, वह टिकाऊ होता है।

एकादश भाव **लाभ, आय, बड़े भाई-बहन, सामाजिक नेटवर्क आदि** को दर्शाता है। चूँकि आपका एकादशेश द्वितीय भाव में स्थित है, जो **स्थिर संपत्ति, धन, परिवार, भोजन, चेहरा, वाणी और भाषा** का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए आप हर तरह की विलासिता का आनंद लेंगे। इस ग्रह संयोजन को धन योग या धन संचय का ग्रह योग माना जाता है। आपके पास आय के कई स्रोत होंगे और आप विलासितापूर्ण वाहनों, सुंदर घरों और आंतरिक साज-सज्जा में रुचि रखेंगे। आपकी वाणी और स्वर आपके शारीरिक व्यक्तित्व की तरह आकर्षक होंगे। आपका रूप-रंग आपके सामाजिक जीवन में एक सकारात्मक बिंदु होगा। आपका अपने बड़े भाई-बहन के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध रहेगा। आपका सामाजिक नेटवर्क और मित्र आपके व्यावसायिक जीवन या व्यवसाय का हिस्सा बन सकते हैं। आपके नेटवर्क और संबंधों के साथ बनाई गई साझेदारियाँ आपके लिए फलदायी होंगी। आप समाज में दयालु और दानशील होंगे, और यह सलाह दी जाती है कि अत्यधिक अभिमानी या लोभी न बनें, क्योंकि इससे आपके भाग्य को नुकसान पहुँच सकता है। आप किसी एक ही आय स्रोत से नहीं चिपके रहेंगे, इसलिए आप नए उपक्रम आजमाने में रुचि रखेंगे। चूँकि आपके पास अपने विचारों में साहस और आत्मविश्वास है, इसलिए आप अपने कार्यों में सफल होंगे। विवाह के बाद आप भाग्यशाली होंगे। चूँकि यह ग्रह संयोजन स्वास्थ्य समस्याओं और संबंधों में समस्याओं के प्रति भी चेतावनी देता है, इसलिए एक अच्छी और स्वस्थ जीवनशैली तथा पारिवारिक जीवन बनाए रखने की सलाह दी जाती है।

शुक्र 11वें भाव में होने के कारण, आप कामुक स्वभाव के होंगे और अपने जीवनसाथी को खुश रखने में सक्षम होंगे। आपका वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। आपका जीवनसाथी आर्थिक रूप से सक्षम होगा, या आपको अपने जीवनसाथी के माध्यम से लाभ प्राप्त होगा। आप सुख-सुविधाओं और सामाजिक जीवन की इच्छा रखते हैं। आप अपनी संतान से भी सुखी रहेंगे।

भाव चलित टिप्पणी — भाव चलित कुंडली में स्थिति परिवर्तन

भाव चलित कुंडली के अनुसार, मंगल की स्थिति बदल जाती है; समय बीतने के साथ आप भाव चलित कुंडली के अनुसार परिणामों का अधिक प्रभावी ढंग से अनुभव कर सकते हैं। **भाव चलित कुंडली परिणाम :** मंगल के 11वें भाव में होने के कारण, आप सामाजिक नेटवर्क में सक्रिय रहेंगे और आशावादी होंगे। आपके मित्र आपके आवेगी स्वभाव को गलत समझ सकते हैं और यह आपके जीवन में परेशानी पैदा कर सकता है। आप महत्वाकांक्षी और धनवान होंगे।

## द्वादश भाव व्यय, विदेश एवं मोक्ष ♈ मेष

इस भाव के स्वामी ♂ मंगल आपके **दशम** भाव में स्थित हैं। इस भाव में **सूर्य, बुध** विराजमान हैं।

आपके द्वादश भाव के स्वामी राशिगत बल या शक्ति से युक्त हैं और दु:स्थान भावों से बाहर स्थित हैं। इस भाव से जुड़े विषय आपके जीवन में वास्तविक महत्व रखते हैं। आपका व्यय अधिक है, विदेश और दूरस्थ स्थानों से आपके संबंध महत्वपूर्ण हैं, और आपका आंतरिक जीवन असाधारण रूप से विकसित है। आप उन वस्तुओं पर धन व्यय करते हैं जो आपके लिए निजी रूप से महत्वपूर्ण हैं।

आपकी बारहवीं राशि में औसत संख्या में अष्टकवर्ग बिंदु हैं। आपका व्यय और आपका आंतरिक जीवन सामान्य बल के साथ चलते हैं। ये किस प्रकार परिणत होंगे, यह आपके बारहवें भाव के स्वामी की स्थिति और चल रही दशा पर निर्भर करता है।

बारहवाँ भाव **मोक्ष, आध्यात्मिकता, गुप्त शत्रु, सुख, व्यय, हानि आदि** को दर्शाता है। चूँकि आपके 12वें भाव का स्वामी 10वें भाव में स्थित है, जो **कर्म, पेशा, व्यक्तिगत विकास, प्रसिद्धि, पुरस्कार आदि** का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए आप अपने सामाजिक दायरे, मित्रों या उच्च अधिकारियों को प्रसन्न करने में उच्च व्यय का अनुभव कर सकते हैं। आपको अपने पेशे या करियर को स्थिर करने में भी कठिनाई हो सकती है। आप स्वयं को धर्मी, उदार और विनम्र के रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं; हालाँकि, इसे प्राप्त करने के लिए आपको अपने भाग्य, समय और संपत्ति के एक हिस्से का त्याग करना पड़ सकता है। पैतृक संपत्ति या धन प्राप्त करने में आप बहुत भाग्यशाली नहीं हो सकते। यह ग्रह संयोजन खदान क्षेत्र, तेल रिग, अस्पताल, उच्च सुरक्षा वाले कार्यस्थलों और जेलों जैसे एकांत वातावरण में काम करने वाले लोगों के लिए उपयुक्त है। आपके अपनी संतान के साथ मतभेद हो सकते हैं।

बुध 12वें भाव में होने के कारण, आप दर्शन, अध्यात्म या ज्योतिष में बौद्धिक रुचि रखेंगे। आपमें आत्मविश्वास की कमी हो सकती है, जो आपके करियर की उन्नति में बाधा डाल सकती है। लंबी दूरी की यात्राओं में आप सामान्यत: भाग्यशाली रहेंगे। आपके कुछ छिपे शत्रु हो सकते हैं जो आपको अलग-अलग तरीकों से निराश करने का प्रयास करेंगे।

चूंकि सूर्य 12वें भाव में है, आप कुछ पीड़ा और संघर्षों के बाद आध्यात्मिकता का अनुभव करेंगे। आप अपने संघर्षों और अनुभवों से सीखने और उनसे भाग्य बनाने में सक्षम हैं। आपको संतान के मामले में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और अपने पिता से विरासत या कृपा प्राप्त करने में भाग्यशाली नहीं हो सकते।

आप वर्तमान में अपने बारहवें भाव के स्वामी मंगल की महादशा से गुजर रहे हैं। इस दशा में आपका व्यय बढ़ता है और आपकी दिखाई देने वाली प्रगति धीमी हो जाती है। दूरी और विदेश से जुड़े मामले सक्रिय होते हैं। आपके भीतर कुछ ऐसा विकसित होता है जिसे अन्य लोग नहीं देख पाते। ये वर्ष अध्ययन, एकांतवास और निजी कार्यों को पूरा करने के लिए अच्छे हैं, परंतु पहचान पाने के लिए अनुकूल नहीं हैं।

भाव चलित टिप्पणी — भाव चलित कुंडली में स्थिति परिवर्तन

चूँकि भाव चलित कुंडली के अनुसार आपके 12वें भाव का स्वामी 11वें भाव में है, इसलिए आप भाव चलित कुंडली के अनुसार भी परिणाम अनुभव कर सकते हैं। अधिकांश मामलों में, अधिक प्रमुख प्रभाव भाव चलित कुंडली के अनुसार ही होंगे, जो सामान्यत: समय के साथ महसूस होते हैं। **भाव चलित कुंडली परिणाम :** आप धर्मी जीवन और आध्यात्मिक भलाई के लिए अपनी भौतिकवादी इच्छाओं का त्याग करेंगे। आप स्वभाव से ही दयालु, दानशील और धार्मिक हैं। आपको अपने बड़ों और भाई-बहनों के लिए अपने कुछ धन और भाग्य का त्याग करना पड़ सकता है। आप अपने करियर, पेशे या व्यावसायिक उपक्रमों में हानि का अनुभव भी कर सकते हैं। भले ही आप अपने करियर या आय में गिरावट या हानि का पूर्वानुमान लगा सकें, फिर भी आप निवारक कदम नहीं उठा सकते। हालाँकि, आपका उदार, आध्यात्मिक और नि:स्वार्थ स्वभाव आपको जीवन में सफलता की ओर सहजता से मार्गदर्शन करेगा। आपके सामाजिक संबंध और मित्र विभिन्न संस्कृतियों या दूरस्थ भूमियों से हो सकते हैं।

## 09 विंशोत्तरी दशा क्रम — आपके जीवन-अध्यायों की समय-रेखा

**इस खंड के विषय में:** विंशोत्तरी चक्र जीवन को ग्रह-अध्यायों (महादशाओं) में बाँटता है। प्रत्येक कालखंड का स्वामी ग्रह उन वर्षों की घटनाओं को अपनी कुंडलीगत भूमिका के अनुसार रंग देता है।

| | महादशा स्वामी | आरंभ | समाप्ति |
|---|---|---|---|
| ♀ | **शुक्र** | 14 मई 1990 | 25 सित. 2006 |
| ☉ | **सूर्य** | 25 सित. 2006 | 25 सित. 2012 |
| ☽ | **चन्द्र** | 25 सित. 2012 | 26 सित. 2022 |
| ♂ | **मंगल** वर्तमान | 26 सित. 2022 | 26 सित. 2029 |
| ☊ | **राहु** | 26 सित. 2029 | 27 सित. 2047 |
| ♃ | **गुरु** | 27 सित. 2047 | 27 सित. 2063 |
| ♄ | **शनि** | 27 सित. 2063 | 27 सित. 2082 |
| ☿ | **बुध** | 27 सित. 2082 | 27 सित. 2099 |
| ☋ | **केतु** | 27 सित. 2099 | 28 सित. 2106 |

### अन्तर्दशा क्रम — मंगल महादशा का विस्तृत विवरण

| अन्तर्दशा स्वामी | आरंभ | समाप्ति |
|---|---|---|
| ♂ **मंगल** | 26 सित. 2022 | 22 फ़र. 2023 |
| ☊ **राहु** | 22 फ़र. 2023 | 12 मार्च 2024 |
| ♃ **गुरु** | 12 मार्च 2024 | 16 फ़र. 2025 |
| ♄ **शनि** | 16 फ़र. 2025 | 28 मार्च 2026 |
| ☿ **बुध** वर्तमान | 28 मार्च 2026 | 25 मार्च 2027 |
| ☋ **केतु** | 25 मार्च 2027 | 21 अग. 2027 |
| ♀ **शुक्र** | 21 अग. 2027 | 20 अक्टू. 2028 |
| ☉ **सूर्य** | 20 अक्टू. 2028 | 25 फ़र. 2029 |
| ☽ **चन्द्र** | 25 फ़र. 2029 | 26 सित. 2029 |

### आपकी वर्तमान महादशा — ♂ मंगल

**आपके वृषभ लग्न के लिए मंगल आपके सप्तम और द्वादश भाव का स्वामी है और आपके लिए सम ग्रह है।**

मंगल क्रिया का ग्रह है। यह ग्रह भाई-बहनों, शारीरिक गतिविधि, चिकित्सा पेशे (शल्य चिकित्सा), सेना और पुलिस, तथा सेवा क्षेत्र के व्यवसाय का कारक या संकेतक है। मंगल को व्यक्ति के जीवन में एक महत्वपूर्ण ग्रह माना जाता है क्योंकि यह जीवन जीने के लिए आवश्यक शारीरिक ऊर्जा प्रदान करता है। महादशा के दौरान, आप अपने करियर और व्यावसायिक जीवन में वृद्धि का अनुभव करेंगी, आप नई परियोजनाओं को अपनाने में सक्रिय रहेंगी और अपने सौंपे गए कार्य को समय पर पूरा करने में भी सक्षम होंगी। धन स्थिर रहेगा और आर्थिक स्थिति बहुत संतोषजनक होगी। आप अपने शत्रुओं पर आसानी से विजय प्राप्त करेंगी और अपनी सफलता के मार्ग में आने वाली किसी भी बाधा को तोड़ने में सक्षम होंगी। यदि आप विवाहित हैं, तो आपकी अपने पति के साथ बहस या झगड़ा हो सकता है। यह सलाह दी जाती है कि वैवाहिक जीवन में सामंजस्य बनाए रखें अन्यथा यह पारिवारिक जीवन में अपूरणीय क्षति का कारण बन सकता है।

मंगल एक स्वाभाविक अशुभ ग्रह है, इसलिए इस दशा के चरण के दौरान कुछ नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिलेंगे। आपके भाई-बहनों के साथ कुछ विवाद हो सकते हैं, भूमि और संपत्ति से संबंधित कुछ समस्याएँ भी संभव हैं। लापरवाही के कारण दुर्घटनाएँ और आग या आग्नेयास्त्रों से खतरा भी इस दौरान देखा जाता है। जल्दबाजी में या बिना सोचे-समझे लिए गए निर्णय आपको मुसीबत में डाल सकते हैं। आप शारीरिक रूप से थकी हुई या कमजोर भी महसूस कर सकती हैं। चिकित्सकीय ध्यान देने की आवश्यकता पड़ सकती है और आपको बिना देरी किए सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। आपको अपने रिश्तों में वफादार रहना चाहिए और ऐसे अवांछित बाहरी आकर्षणों से बचना चाहिए जो आपके निजी जीवन को अस्थिर कर सकते हैं।

### वर्तमान अन्तर्दशा — मंगल महादशा में बुध

यद्यपि मंगल और बुध के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध नहीं हैं, फिर भी यह अंतर्दशा नकारात्मक परिणाम नहीं दिखाएगी। यह अंतर्दशा काल मिश्रित परिणामों के साथ एक संतुलित समय होगा। आप अपने करियर में अधिक सक्रिय महसूस करेंगे और अपने कार्यों को सहजता से पूरा कर पाएंगे। इस दौरान आप अधिक आध्यात्मिक बन सकते हैं। कभी-कभी आप स्वयं को थका हुआ महसूस कर सकते हैं। मंगल और बुध दोनों ही थोड़े अशांत स्वभाव के हैं, इसलिए इस समय आप कुछ अधीरता दिखा सकते हैं। दूसरों के प्रति आपका रुख बदलता रह सकता है और कभी-कभी आप कड़वाहट भी दिखा सकते हैं। जुए और जोखिम भरे व्यवसायों से दूर रहें।

## 10 वर्तमान गोचर — 16 अक्टू. 2026 की स्थिति

**इस खंड के विषय में:** मंद गति के ग्रह आपकी जन्म-चन्द्र राशि से गिने गए भावों से गुजरते हुए लंबे कालखंडों को प्रभावित करते हैं। ये स्थितियाँ रिपोर्ट बनने की तिथि के लिए गणित हैं।

### ♃ गुरु का गोचर — चन्द्रमा से अष्टम भाव में सावधानी आवश्यक

बृहस्पति, अष्टम भाव में गोचर करते हुए, कुछ हद तक हानिकारक हो जाएगा, और कुछ लोगों के लिए यह गोचर कड़वा भी हो सकता है। आप एक ही स्थान पर अटके हुए या जीवन में शून्य प्रगति महसूस कर सकते हैं। आपका खर्च बढ़ सकता है, और संभावना है कि आप अपनी मौजूदा मूल्यवान संपत्तियों पर धन खर्च करें। आप उदास और मानसिक रूप से थका हुआ भी महसूस कर सकते हैं। इस दौरान आपको धैर्यवान बने रहने और केंद्रित तथा सकारात्मक बने रहने की आवश्यकता है। अपने आहार और स्वास्थ्य का अच्छी तरह से ध्यान रखें।

### ♄ शनि का गोचर — चन्द्रमा से चतुर्थ भाव में सावधानी आवश्यक

जब शनि आपकी जन्म राशि के चंद्रमा से चतुर्थ भाव में गोचर करता है, तब आप शनि की ढैय्या या कंटक शनि में प्रवेश करते हैं। इस अवधि के दौरान, आपको अधिक आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति की आवश्यकता होगी। इस चरण के दौरान कोई अज्ञात भय या मानसिक बेचैनी आपको परेशान कर सकती है। इस समय यात्रा या स्थानांतरण की भी संभावना है। आपको घरेलू सद्भाव बनाए रखने का भी प्रयास करना चाहिए क्योंकि परिवार के सदस्यों के बीच कभी-कभी टकराव उत्पन्न हो सकता है।

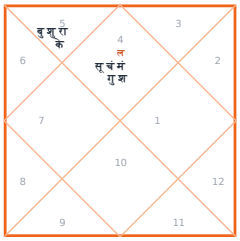
### ☉ सूर्य का गोचर — चन्द्रमा से दशम भाव में शुभ

यह सूर्य का शुभ गोचर है। इस अवधि में आपको सफलता, नाम और यश की प्राप्ति होगी। अन्य लोग और आपके वरिष्ठजन आपके कार्य और प्रयासों की प्रशंसा करेंगे। आपका पारिवारिक जीवन आनंदमय हो जाएगा, और यदि आप विवाहित हैं, तो आपको अपने जीवनसाथी से बेहतर सहयोग, देखभाल और प्रेम प्राप्त होगा। यह गोचर अवधि नौकरी की खोज करने वालों के लिए भी उपयुक्त है। यदि आप किसी नए अवसर की योजना बना रहे हैं, तो यह एक अच्छा समय होगा।

## 11 षोडशवर्ग कुंडलियाँ — सोलह वर्गों के सूक्ष्मदर्शी

**इस खंड के विषय में:** प्रत्येक वर्ग-कुंडली जीवन के एक विभाग को बड़ा करके दिखाती है — D9 विवाह और आंतरिक बल, D10 करियर, D7 संतान, D12 माता-पिता, इत्यादि। अनेक वर्गों में शुभ स्थित ग्रह स्थायी फल देता है। D1 और D9 में एक ही राशि में स्थित ग्रह वर्गोत्तम कहलाता है — उसके फल विशेष दृढ़ता पाते हैं।

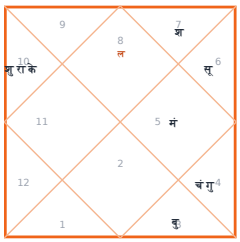













































वर्गोत्तम ग्रह : **शनि** — D1 और D9 में समान राशि ; इनके फल जीवन भर विशेष दृढ़ रहते हैं।

## 12 ग्रह बल — षड्बल, इष्ट/कष्ट, वैशेषिकांश, भाव बल

**इस खंड के विषय में:** षड्बल छह शास्त्रीय बल-स्रोतों (स्थान, दिग्, काल, चेष्टा, नैसर्गिक, दृग्) का योग है। 1.0 का अनुपात अर्थात् ग्रह अपने अपेक्षित बल पर है — इससे ऊपर वह अपने फल सचमुच दे पाता है, नीचे रहने पर शुभ स्थिति में भी अपेक्षा से कम फल देता है। इष्ट/कष्ट फल बताता है कि उस बल का कितना अंश आपके पक्ष में और कितना विपक्ष में कार्य करता है।

| बल (विरूप) | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्थान बल | 211.1 | 115.5 | 254.0 | 154.2 | 207.3 | 206.8 | 208.7 |
| दिग् बल | 33.1 | 17.6 | 55.0 | 52.0 | 47.7 | 12.9 | 42.4 |
| काल बल | 152.9 | 238.2 | 97.9 | 182.9 | 195.8 | 112.0 | 99.9 |
| चेष्टा बल | 46.9 | 44.5 | 27.5 | 46.6 | 16.7 | 32.0 | 40.1 |
| नैसर्गिक बल | 60.0 | 51.4 | 17.1 | 25.7 | 34.3 | 42.9 | 8.6 |
| दृक् बल | -15.6 | 1.4 | 4.8 | -19.8 | -29.4 | -26.5 | 2.4 |
| **कुल (विरूप)** | **488.4** | **468.7** | **456.4** | **441.6** | **472.3** | **380.1** | **402.0** |
| **बल अनुपात** (1.0 = अपेक्षित) | **1.63** | **1.30** | **1.52** | **1.05** | **1.21** | **1.15** | **1.34** |

### इष्ट / कष्ट फल

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| इष्ट (शुभ फल) | 50.1 | 25.2 | 37.7 | 21.4 | 29.9 | 42.6 | 38.1 |
| कष्ट (अशुभ फल) | 9.2 | 26.6 | 16.6 | 25.9 | 16.8 | 9.5 | 21.8 |
| **निवल** | **40.9** | **-1.4** | **21.0** | **-4.5** | **13.1** | **33.2** | **16.3** |

### वैशेषिकांश (अंश बल)

यह गिनती है कि कितने वर्गों में ग्रह स्वराशि या उच्च में है — 2 = पारिजातांश, 3 = उत्तमांश, 4 = गोपुरांश, और आगे उच्चतर श्रेणियाँ ; गिनती जितनी अधिक, ग्रह के फल उतने विशिष्ट।

| | सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गणना / श्रेणी | 1 | 3 · उत्तमांश | 2 · पारिजातांश | 2 · पारिजातांश | 3 · उत्तमांश | 2 · पारिजातांश | 4 · गोपुरांश | 2 · पारिजातांश | 3 · उत्तमांश |

### भाव बल

भाव में स्थित ग्रह, दृष्टियाँ, स्वामित्व, स्थिति और अष्टकवर्ग बिंदुओं से बना समग्र अंक — बलवान भाव अपने जीवन-क्षेत्र के फल सहजता से देते हैं।

| भाव | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अंक | **27.2** | **21.6** | **6.6** | **17.0** | **24.0** | **6.6** | **30.6** | **15.8** | **17.2** | **26.0** | **25.4** | **-4.4** |

## 13 अष्टकवर्ग — राशियों में शुभ बिंदु

**इस खंड के विषय में:** अष्टकवर्ग प्रत्येक राशि को सातों ग्रहों और लग्न के दिए शुभ बिंदुओं से अंकित करता है। सर्व (संयुक्त) पंक्ति में 28 से अधिक अंक वाली राशियाँ गोचर में वृद्धिदायक होती हैं; 25 से कम वाली धैर्य माँगती हैं। प्रति-ग्रह (भिन्न) पंक्तियाँ उस ग्रह के अपने गोचर के लिए इसे सूक्ष्म करती हैं।

| राशि → | ♈ मेष | ♉ वृष | ♊ मिथ | ♋ कर् | ♌ सिं | ♍ कन् | ♎ तुल | ♏ वृश | ♐ धनु | ♑ मकर | ♒ कुं | ♓ मीन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **सर्व (कुल)** | **30** | **29** | **22** | **25** | **25** | **26** | **27** | **34** | **30** | **29** | **35** | **25** |
| ☉ सूर्य | 4 | 4 | 1 | 3 | 4 | 5 | 5 | 5 | 4 | 4 | 7 | 2 |
| ☽ चन्द्र | 4 | 3 | 7 | 5 | 2 | 4 | 3 | 6 | 5 | 4 | 3 | 3 |
| ♂ मंगल | 3 | 3 | 2 | 2 | 5 | 4 | 3 | 4 | 2 | 3 | 6 | 2 |
| ☿ बुध | 4 | 5 | 2 | 4 | 4 | 6 | 4 | 5 | 4 | 5 | 5 | 6 |
| ♃ गुरु | 5 | 5 | 5 | 5 | 6 | 3 | 3 | 4 | 7 | 5 | 4 | 4 |
| ♀ शुक्र | 6 | 4 | 3 | 3 | 3 | 3 | 6 | 4 | 5 | 4 | 5 | 6 |
| ♄ शनि | 4 | 5 | 2 | 3 | 1 | 1 | 3 | 6 | 3 | 4 | 5 | 2 |

## 14 आरूढ़ पद एवं उपग्रह

**इस खंड के विषय में:** आरूढ़ पद दिखाते हैं कि प्रत्येक भाव का विषय संसार को कैसा दिखता है — आरूढ़ लग्न (A1) आपकी सार्वजनिक छवि है, दारापद (A7) आपके संबंधों की छवि, उपपद (A12) विवाह का दृश्य रूप। उपग्रह सूर्य से उत्पन्न छाया-बिंदु हैं; इनकी स्थितियाँ सूक्ष्म कार्मिक दबाव-क्षेत्र दर्शाती हैं।

| आरूढ़ | राशि |
|---|---|
| आरूढ़ लग्न — सार्वजनिक छवि | ♑ मकर |
| धनपद — दृश्य धन | ♒ कुंभ |
| भ्रातृपद — भाई-बहन | ♉ वृषभ |
| मातृपद — गृह एवं माता | ♐ धनु |
| पुत्रपद — संतान एवं मन | ♏ वृश्चिक |
| रोगपद — कलह एवं स्वास्थ्य | ♌ सिंह |
| दारापद — साझेदारी | ♒ कुंभ |
| मृत्युपद — गूढ़ विषय | ♍ कन्या |
| भाग्यपद — भाग्य एवं श्रद्धा | ♎ तुला |
| राज्यपद — करियर छवि | ♐ धनु |
| लाभपद — लाभ | ♊ मिथुन |
| उपपद — विवाह | ♐ धनु |

| उपग्रह | राशि | अंश |
|---|---|---|
| धूम | कन्या | 12°36' |
| व्यतीपात | तुला | 17°24' |
| परिवेष | मेष | 17°24' |
| इन्द्रचाप | मीन | 12°36' |
| उपकेतु | मीन | 29°16' |

### आरूढ़ लग्न — संसार आपको कैसे देखता है

आपका आरूढ़ लग्न आपके लग्न से नवम भाव (मकर) में पड़ता है।

दूसरों के अनुसार, चूंकि 9वां भाव आपकी अरुड़ लग्न है, आप बहुत कूटनीतिक, मिलनसार और भाग्यशाली हैं। आप एक विद्वान व्यक्ति हैं और किसी शिक्षक या गुरु के समान हैं। आप बहुत प्रतिभाशाली, रूढ़िवादी और मृदुभाषी हैं। आप धनवान हैं और व्यावसायिक रूप से अच्छी स्थिति में हैं।

## 15 अनुकूल कालखंड — करियर · विवाह · व्यवसाय

**इस खंड के विषय में:** ये कालखंड प्रत्येक महादशा/अन्तर्दशा युग्म को उस जीवन-क्षेत्र के भावों और कारकों से मिलाकर अंकित किए गए हैं — जिन अवधियों में सक्रिय स्वामी सहायक भावों के अधिपति या निवासी हों, वे ऊँचे अंक पाती हैं। इनसे कार्यों का समय चुनें; उनका परिमाण शेष कुंडली बताती है।

### करियर

| अवधि | दशा | मूल्यांकन | यह अवधि क्यों |
|---|---|---|---|
| अग. 2009 – जुल. 2010 | सूर्य / शनि | उत्तम · 82 | अन्तर्दशा : भाव-10 के स्वामी सक्रिय ; अन्तर्दशा : सहायक भाव-9 के स्वामी ; अन्तर्दशा : सहायक भाव-9 में ग्रह |
| दिस. 2016 – जुल. 2018 | चन्द्र / शनि | शुभ · 70 | अन्तर्दशा : भाव-10 के स्वामी सक्रिय ; अन्तर्दशा : सहायक भाव-9 के स्वामी ; अन्तर्दशा : सहायक भाव-9 में ग्रह |
| सित. 2022 – फ़र. 2023 | मंगल / मंगल | शुभ · 56 | महादशा : भाव-10 में ग्रह सक्रिय ; अन्तर्दशा : भाव-10 में ग्रह सक्रिय ; महादशा व अन्तर्दशा दोनों प्रमुख भावों को सक्रिय करती हैं |
| फ़र. 2025 – मार्च 2026 | मंगल / शनि | उत्तम · 102 | अन्तर्दशा : भाव-10 के स्वामी सक्रिय ; महादशा : भाव-10 में ग्रह सक्रिय ; अन्तर्दशा : सहायक भाव-9 के स्वामी |
| नव. 2034 – सित. 2037 | राहु / शनि | उत्तम · 76 | अन्तर्दशा : भाव-10 के स्वामी सक्रिय ; अन्तर्दशा : सहायक भाव-9 के स्वामी ; महादशा : सहायक भाव-9 में ग्रह |
| नव. 2049 – मई 2052 | गुरु / शनि | उत्तम · 88 | अन्तर्दशा : भाव-10 के स्वामी सक्रिय ; महादशा : सहायक भाव-2 में ग्रह ; महादशा : सहायक भाव-11 के स्वामी |

### विवाह

| अवधि | दशा | मूल्यांकन | यह अवधि क्यों |
|---|---|---|---|
| जुल. 2007 – नव. 2007 | सूर्य / मंगल | शुभ · 51 | सप्तमेश सक्रिय ; दशा-स्वामियों की स्थिति +6 (महादशा सूर्य +6, अन्तर्दशा मंगल +0) |
| जुल. 2013 – फ़र. 2014 | चन्द्र / मंगल | शुभ · 45 | सप्तमेश सक्रिय |
| सित. 2022 – फ़र. 2023 | मंगल / मंगल | शुभ · 45 | सप्तमेश सक्रिय |
| फ़र. 2023 – मार्च 2024 | मंगल / राहु | शुभ · 45 | सप्तमेश सक्रिय |
| फ़र. 2025 – मार्च 2026 | मंगल / शनि | शुभ · 47 | सप्तमेश सक्रिय ; दशा-स्वामियों की स्थिति +2 (महादशा मंगल +0, अन्तर्दशा शनि +2) |
| मार्च 2027 – अग. 2027 | मंगल / केतु | शुभ · 45 | सप्तमेश सक्रिय |
| अग. 2027 – अक्टू. 2028 | मंगल / शुक्र | उत्तम · 96 | सप्तमेश + शुक्र संयोग ; दशा-स्वामियों की स्थिति +6 (महादशा मंगल +0, अन्तर्दशा शुक्र +6) |
| अक्टू. 2028 – फ़र. 2029 | मंगल / सूर्य | शुभ · 51 | सप्तमेश सक्रिय ; दशा-स्वामियों की स्थिति +6 (महादशा मंगल +0, अन्तर्दशा सूर्य +6) |
| फ़र. 2029 – सित. 2029 | मंगल / चन्द्र | शुभ · 45 | सप्तमेश सक्रिय |
| सित. 2046 – सित. 2047 | राहु / मंगल | शुभ · 45 | सप्तमेश सक्रिय |

### व्यवसाय

| अवधि | दशा | मूल्यांकन | यह अवधि क्यों |
|---|---|---|---|
| जून 2003 – अक्टू. 2005 | शुक्र / बुध | शुभ · 50 | महादशा : भाव-11 में ग्रह सक्रिय ; अन्तर्दशा : सहायक भाव-2 के स्वामी ; महादशा : कारक शुक्र |
| जुल. 2007 – नव. 2007 | सूर्य / मंगल | शुभ · 68 | अन्तर्दशा : भाव-7 के स्वामी सक्रिय ; अन्तर्दशा : भाव-10 में ग्रह सक्रिय ; दशा-स्वामियों की स्थिति +6 (महादशा सूर्य +6, अन्तर्दशा मंगल +0) |
| अक्टू. 2008 – अग. 2009 | सूर्य / गुरु | शुभ · 56 | अन्तर्दशा : भाव-11 के स्वामी सक्रिय ; अन्तर्दशा : सहायक भाव-2 में ग्रह ; अन्तर्दशा : कारक गुरु |
| अग. 2009 – जुल. 2010 | सूर्य / शनि | उत्तम · 76 | अन्तर्दशा : भाव-10 के स्वामी सक्रिय ; अन्तर्दशा : सहायक भाव-9 के स्वामी ; अन्तर्दशा : सहायक भाव-9 में ग्रह |

| | | | |
|---|---|---|---|
| जुल. 2013 – फ़र. 2014 | चन्द्र / मंगल | शुभ · 72 | अन्तर्दशा : भाव-7 के स्वामी सक्रिय ; अन्तर्दशा : भाव-10 में ग्रह सक्रिय ; महादशा : सहायक भाव-3 के स्वामी |
| अग. 2015 – दिस. 2016 | चन्द्र / गुरु | शुभ · 60 | अन्तर्दशा : भाव-11 के स्वामी सक्रिय ; अन्तर्दशा : सहायक भाव-2 में ग्रह ; महादशा : सहायक भाव-3 के स्वामी |
| दिस. 2016 – जुल. 2018 | चन्द्र / शनि | उत्तम · 80 | अन्तर्दशा : भाव-10 के स्वामी सक्रिय ; महादशा : सहायक भाव-3 के स्वामी ; अन्तर्दशा : सहायक भाव-9 के स्वामी |
| सित. 2022 – फ़र. 2023 | मंगल / मंगल | उत्तम · 122 | महादशा : भाव-7 के स्वामी सक्रिय ; अन्तर्दशा : भाव-7 के स्वामी सक्रिय ; महादशा : भाव-10 में ग्रह सक्रिय |
| फ़र. 2023 – मार्च 2024 | मंगल / राहु | शुभ · 54 | महादशा : भाव-7 के स्वामी सक्रिय ; महादशा : भाव-10 में ग्रह सक्रिय ; अन्तर्दशा : सहायक भाव-9 में ग्रह |
| मार्च 2024 – फ़र. 2025 | मंगल / गुरु | उत्तम · 110 | महादशा : भाव-7 के स्वामी सक्रिय ; महादशा : भाव-10 में ग्रह सक्रिय ; अन्तर्दशा : भाव-11 के स्वामी सक्रिय |

## 16 दोष, रत्न एवं इष्ट देवता

**इस खंड के विषय में:** दोष वे दबाव-संरचनाएँ हैं जिन्हें शास्त्र संबंधों और कार्मिक भार के लिए विशेष मानते हैं; अधिकांश के परिहार भी होते हैं, अतः नीचे के निर्णय ध्यान से पढ़ें। रत्न अपने ग्रह को बल देते हैं, और आत्मकारक के नवांश से निकले इष्ट देवता वह व्यक्तिगत देवता हैं जिनकी उपासना आपकी आत्मा के पथ को सर्वाधिक सहज पोषण देती है।

| | |
|---|---|
| **कुज (मंगल) दोष** | **अनुपस्थित** — मंगल मांगलिक दोष के भावों से बाहर है। |
| **कालसर्प दोष** | **अनुपस्थित** — सातों शास्त्रीय ग्रह राहु–केतु अक्ष के भीतर नहीं घिरे हैं। |

### रत्न परामर्श

| भूमिका | ग्रह | रत्न |
|---|---|---|
| लग्नेश (प्रथम भाव के स्वामी) | शुक्र | **हीरा** |
| पंचमेश (त्रिकोण स्वामी) | बुध | **पन्ना** |
| नवमेश (त्रिकोण स्वामी) | शनि | **नीलम** ★ अनुशंसित |

★ चिह्न उस एक रत्न को दर्शाता है जिसकी FeelAstro आपकी कुंडली के लिए अनुशंसा करता है। यह आपके नवम, पंचम और प्रथम भाव के स्वामियों में से उस पहले स्वामी का रत्न है जो षष्ठ, अष्टम या द्वादश भाव में स्थित न हो। यदि आपका योगकारक ग्रह उस स्वामी से निर्बल है, तो उसके स्थान पर योगकारक ग्रह का रत्न चुना जाता है। आपकी जीवन रिपोर्ट भी यही रत्न सुझाती हैं।

रत्न व्यक्तिगत परामर्श के बाद ही धारण करें — रत्न अपने ग्रह को बल देता है, चाहे वह ग्रह आपकी कुंडली में शुभ हो या अशुभ।

### इष्ट देवता

**कार्तिकेय / हनुमान जी**

गणना के अनुसार चुना गया ग्रह **मंगल** है। **कार्तिकेय / हनुमान जी** मंगल ग्रह से जुड़े देवता हैं।

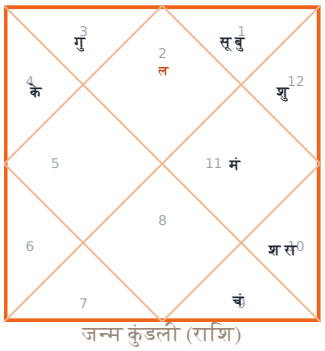
आत्मकारक सूर्य के कारकांश धनु से निर्धारित।

**आपकी सम्पूर्ण वैदिक कुंडली रिपोर्ट — 40+ पृष्ठों की PDF** रिपोर्ट पाएँ →
feelastro.com/horoscope-report/hi

## 17 पंचवर्षीय वार्षिक फल (वर्षफल) — ताजिक सौर-प्रत्यागमन कुण्डलियाँ

**इस खंड के विषय में:** वर्षफल ताजिक पद्धति की वार्षिक कुंडली है, जो हर वर्ष उस सटीक क्षण के लिए बनाई जाती है जब सूर्य अपनी जन्मकालीन स्थिति पर लौटता है (सौर प्रत्यागमन)। वर्ष लग्न पूरे वर्ष की मुख्य दिशा तय करता है ; मुंथा — जो जन्म लग्न से हर वर्ष एक राशि आगे बढ़ती है — उस जीवन-क्षेत्र को उजागर करती है जो इस वर्ष सक्रिय होता है ; और वर्षेश्वर (वर्ष का स्वामी) वर्ष का स्वरूप गढ़ता है। यह खण्ड आगामी पाँच वर्ष-चक्रों को पढ़ता है ; प्रत्येक वर्ष एक सौर प्रत्यागमन से अगले तक चलता है, कैलेंडर वर्ष के अनुसार नहीं।

### वर्ष 2026 — आयु 36



जन्म कुंडली (राशि)



वर्ष कुंडली 2026

| सौर प्रत्यागमन | लग्न (वर्ष लग्न) | मुंथा | वर्षेश्वर (वर्ष स्वामी) |
|---|---|---|---|
| **14 मई 2026**<br>12:18 | **कर्क**<br>26°27' | **वृषभ**<br>भाव 11 | **मंगल**<br>दिन/रात्रि पति |

जन्म लग्न
**वृषभ** — भाव 11
संदर्भ जन्म वर्ष: 1990 · जन्म लग्न वृषभ

वर्ष की शक्ति — **मिश्रित · 52/100**

+ मुंथा भाव 11 में · – मुंथा स्वामी भाव 12 में · – मंगल वर्षेश्वर · + जन्म लग्न भाव 11 में · + केन्द्र में 1 शुभ ग्रह · – केन्द्र में 1 पाप ग्रह

#### वर्ष कुंडली में ग्रह स्थितियाँ (निरयण)

| ग्रह | राशि | अंश | भाव (वर्ष लग्न से) |
|---|---|---|---|
| ☉ सूर्य | मेष | 29°16' | **10** |
| ☽ चन्द्र | मीन | 23°49' | **9** |
| ♂ मंगल | मेष | 2°16' | **10** |
| ☿ बुध | मेष | 28°53' | **10** |
| ♃ गुरु | मिथुन | 26°42' | **12** |
| ♀ शुक्र | मिथुन | 0°04' | **12** |
| ♄ शनि | मीन | 16°21' | **9** |
| ☊ राहु | कुंभ | 10°53' | **8** |
| ☋ केतु | सिंह | 10°53' | **2** |

**मुंथा भाव 11 में**

11वें भाव में मुंथा **लाभ, मित्रता, पारिवारिक सुख और महत्वपूर्ण महत्त्वाकांक्षाओं की पूर्ति** के लिए अनुकूल है।

आप मित्रों और रिश्तेदारों के साथ अधिक समय बिता सकते हैं और परिवार के छोटे सदस्यों से संबंधित सकारात्मक घटनाक्रमों का आनंद ले सकते हैं।

प्रभावशाली व्यक्ति अधिक सहयोगी बन सकते हैं, और लंबे समय से चली आ रही कोई समस्या अंततः समाधान की ओर बढ़ सकती है।

**मुंथा स्वामी शुक्र भाव 12 में**

बारहवें भाव में मुंथेश **खर्च, विलंब या अस्थायी निराशाएं** ला सकता है।

स्थिति में परिवर्तन या किसी मूल्यवान वस्तु की हानि कभी-कभी हो सकती है। अस्थायी असफलताओं को अपने आत्मविश्वास को कमजोर न करने दें।

सावधानीपूर्ण योजना और धैर्य आपको इस अवधि से रचनात्मक ढंग से गुजरने में मदद कर सकते हैं।

**मंगल — वर्ष के स्वामी**

वर्ष के स्वामी के रूप में एक बलवान मंगल **ऊर्जा, साहस और प्रतिस्पर्धा पर विजय पाने की क्षमता** प्रदान करता है।

आपके प्रयास सफलता ला सकते हैं, जबकि आपकी वित्तीय स्थिति या व्यक्तिगत संपत्ति में सुधार हो सकता है। कठिन संबंधों को संभालना भी अपेक्षाकृत आसान हो सकता है।

रक्षा, इंजीनियरिंग, तकनीकी क्षेत्रों या इसी तरह के चुनौतीपूर्ण व्यवसायों में कार्यरत लोगों को अधिक मान्यता मिल सकती है।

**वार्षिक कुंडली में आपका जन्म लग्न (भाव 11)**

यह स्थिति **आर्थिक लाभ, सामाजिक सम्मान और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति** के अनुकूल है।

निवेश के अवसर आ सकते हैं, परंतु उन्हें सुनिश्चित लाभ मानने के बजाय सोच-समझकर अपनाना चाहिए।

समूहों और संगठनों में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा या प्रभाव में सुधार हो सकता है।

## वर्ष में ग्रह स्थितियों का फल

**सूर्य भाव 10 में**

10वें भाव में सूर्य **करियर, नेतृत्व, आर्थिक प्रगति और सटीक व्यावसायिक निर्णय-क्षमता** का प्रबल समर्थन करता है।

संपत्ति, अधिकार या बढ़ती जिम्मेदारियों से जुड़े अवसर सामने आ सकते हैं।

**चन्द्र भाव 9 में**

9वें भाव में चंद्रमा **भाग्य, आर्थिक उन्नति, परोपकारी गतिविधियों और पारिवारिक सुख** का समर्थन करता है।

संपत्ति संबंधी मामले और संतान की प्रगति भी संतोष प्रदान कर सकते हैं।

**मंगल भाव 10 में**

मंगल का 10वें भाव में होना **करियर संबंधी गतिविधियों, नई जिम्मेदारियों और तकनीकी या मशीनरी संबंधी कार्यों** को समर्थन देता है।

आय संतोषजनक बनी रह सकती है, विशेष रूप से जब आपका पेशा पहल और निर्णायक कार्रवाई को पुरस्कृत करता हो।

**बुध भाव 10 में**

दसवें भाव में बुध **करियर की कुशलता, व्यावसायिक क्षमता और पेशेवर संवाद** को सहयोग देता है।

बच्चों या आपके साथ काम करने वाले लोगों से जुड़े सकारात्मक घटनाक्रम भी हो सकते हैं।

**गुरु भाव 12 में**

गुरु का 12वें भाव में होना **व्यय, धर्मार्थ खर्च या परिवार के सदस्यों से जुड़ी जिम्मेदारियों** को बढ़ा सकता है।

वित्तीय योजना बनाने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि उदारता अत्यधिक न हो जाए।

**शुक्र भाव 12 में**

शुक्र का द्वादश भाव में होना **व्यय, रिश्तों में निराशा या व्यक्तिगत मामलों को सुलझाने में देरी** को बढ़ा सकता है।

भावनाओं या सामाजिक दबाव से प्रेरित अत्यधिक खर्च से बचें।

स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखें और यदि लगातार शारीरिक असहजता बनी रहे तो विशेषज्ञ की सलाह लें।

**शनि भाव 9 में**

नवम भाव में शनि से **पिता, भाई-बहनों या विचारों और अपेक्षाओं में भिन्नता से जुड़ी चिंताएँ** उत्पन्न हो सकती हैं।

आर्थिक स्थिति उचित रूप से स्थिर बनी रह सकती है, और दृढ़ता से आप प्रतिस्पर्धा पर विजय पा सकते हैं।

**राहु भाव 8 में**

राहु का 8वें भाव में होना **अप्रत्याशित परिवर्तन, अचानक चिंताएँ या शारीरिक संवेदनशीलता के समय** ला सकता है।

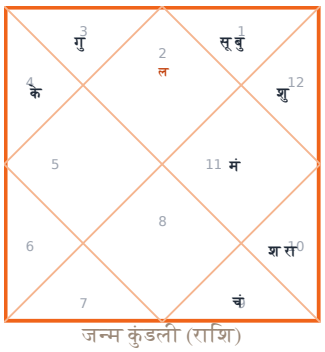
अनावश्यक जोखिमों से बचें और अपनी दैनिक दिनचर्या को स्थिर बनाए रखें।

**केतु भाव 2 में**

केतु का दूसरे भाव में होना **वित्तीय अनिश्चितता या परिवार और व्यक्तिगत कल्याण से जुड़ी चिंताएं** ला सकता है।

धन के मामले में सतर्क दृष्टिकोण बनाए रखें और अनावश्यक व्यय से बचें।

## वर्ष 2027 — आयु 37



जन्म कुंडली (राशि)



वर्ष कुंडली 2027

| सौर प्रत्यागमन | लग्न (वर्ष लग्न) | मुंथा | वर्षेश्वर (वर्ष स्वामी) |
|---|---|---|---|
| **14 मई 2027**<br>18:15 | **तुला**<br>24°47' | **मिथुन**<br>भाव 9 | **शुक्र**<br>वर्ष लग्नेश |

जन्म लग्न
**वृषभ** — भाव 8
संदर्भ जन्म वर्ष: 1990 · जन्म लग्न वृषभ

वर्ष की शक्ति — **मिश्रित · 54/100**

+ मुंथा भाव 9 में · – मुंथा स्वामी भाव 8 में · + शुक्र वर्षेश्वर · – जन्म लग्न भाव 8 में · + केन्द्र में 2 शुभ ग्रह · – केन्द्र में 2 पाप ग्रह

### वर्ष कुंडली में ग्रह स्थितियाँ (निरयण)

| ग्रह | राशि | अंश | भाव (वर्ष लग्न से) |
|---|---|---|---|
| ☉ सूर्य | मेष | 29°16' | **7** |
| ☽ चन्द्र | सिंह | 16°32' | **11** |
| ♂ मंगल | सिंह | 5°44' | **11** |
| ☿ बुध | वृषभ | 16°10' | **8** |
| ♃ गुरु | कर्क | 24°14' | **10** |
| ♀ शुक्र | मेष | 5°20' | **7** |
| ♄ शनि | मीन | 27°55' | **6** |
| ☊ राहु | मकर | 21°32' | **4** |
| ☋ केतु | कर्क | 21°32' | **10** |

**मुंथा भाव 9 में**

9वें भाव में मुंथा **भाग्य, प्रगति, प्रतिष्ठा और व्यापक अवसरों** के लिए अत्यंत सहायक है।

करियर या सामाजिक गतिविधियाँ सफलता ला सकती हैं, जबकि लंबे समय से संजोई आशाएँ और महत्त्वाकांक्षाएँ पूर्ण होने के करीब पहुँच सकती हैं। परिवार में खुशियाँ और घर में उत्सव मनाने के अवसर भी संभव हैं।

विदेशी संबंध, यात्रा या अंतरराष्ट्रीय व्यापार के अवसर लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं। इस अनुकूल समय में मिलने वाले अवसरों का सदुपयोग करें।

**मुंथा स्वामी बुध भाव 8 में**

अष्टम भाव में मुंथेश यह संकेत देता है कि यह वर्ष **सावधानीपूर्ण आर्थिक योजना और स्वास्थ्य पर ध्यान देने** की आवश्यकता वाला है।

ऐसे संबंधों से बचें जो अनावश्यक जटिलताएं उत्पन्न कर सकते हैं या आपकी प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकते हैं।

अप्रत्याशित व्यय कभी-कभी वित्त पर दबाव डाल सकता है, इसलिए बचत बनाए रखना और अत्यधिक प्रतिबद्धताओं से बचना उचित रहेगा।

**शुक्र — वर्ष के स्वामी** (पंचवर्गीय बल के आधार पर चयन — किसी भी उम्मीदवार ग्रह ने वर्ष लग्न से मान्य ताजिक दृष्टि नहीं बनाई)

एक बलवान शुक्र **संबंधों, पारिवारिक सामंजस्य, सुख-सुविधा और वित्तीय विवेक** के लिए अनुकूल होता है।

आप बेहतर स्वास्थ्य और अधिक व्यक्तिगत सुख का आनंद ले सकते हैं। आभूषण, संपत्ति, वाहन या विलासिता की वस्तुओं की प्राप्ति संभव है।

उच्च शिक्षा, कलात्मक गतिविधियों और आनंददायक अनुभवों में भी अधिक रुचि हो सकती है।

**वार्षिक कुंडली में आपका जन्म लग्न (भाव 8)**

यह स्थिति **स्वास्थ्य, भावनात्मक सहनशक्ति और अप्रत्याशित घटनाक्रमों** पर अधिक ध्यान देने की मांग करती है।

कुछ पारिवारिक मामले चिंता का कारण बन सकते हैं, विशेष रूप से जीवनसाथी या संतान से जुड़े मामले। अनावश्यक शारीरिक जोखिमों से बचें और तनाव से उबरने के लिए स्वयं को पर्याप्त समय दें।

## वर्ष में ग्रह स्थितियों का फल

**सूर्य भाव 7 में**

सातवें भाव में सूर्य **संबंधों में तनाव या यात्रा के दौरान चुनौतियाँ** ला सकता है।

यात्रा के दौरान उचित सावधानियाँ बरतें और साझेदारों या सहयोगियों के साथ अनावश्यक टकराव से बचें।

**चन्द्र भाव 11 में**

11वें भाव में चंद्रमा **करियर में सफलता, उपयोगी संपर्कों और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति** का समर्थन करता है।

घर या कार्यस्थल से दूर रहने वाली संतानों से जुड़े सकारात्मक घटनाक्रम भी सामने आ सकते हैं।

**मंगल भाव 11 में**

मंगल का 11वें भाव में होना **आय, करियर में प्रगति और महत्वाकांक्षाओं की प्राप्ति** के लिए अनुकूल है।

अप्रत्याशित लाभ या मूल्यवान वस्तुओं की प्राप्ति भी हो सकती है।

**बुध भाव 8 में**

आठवें भाव में बुध **चिंता, अप्रत्याशित व्यय या तंत्रिका तनाव** बढ़ा सकता है।

यदि लक्षण दिखाई दें तो त्वचा, श्वसन तंत्र या सामान्य तनाव से जुड़ी स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर उचित ध्यान देना चाहिए।

**गुरु भाव 10 में**

गुरु का 10वें भाव में होना **करियर में मान्यता, वरिष्ठों के सहयोग और भौतिक सुख-सुविधाओं** के लिए अनुकूल है।

मूल्यवान वस्तुएँ प्राप्त करने के अवसर भी उत्पन्न हो सकते हैं।

**शुक्र भाव 7 में**

सप्तम भाव में शुक्र **संबंधों, सुख-सुविधा, यात्रा और व्यक्तिगत इच्छाओं की पूर्ति** के लिए अत्यंत अनुकूल है।

वाहन, आनंददायक यात्रा या सुखद अनुभवों से जुड़े अवसर सामने आ सकते हैं।

**शनि भाव 6 में**

छठे भाव में शनि **स्थिर आय, संपत्ति संबंधी मामलों, मान्यता और लंबे समय से चली आ रही कठिनाइयों पर काबू पाने** के लिए अनुकूल हो सकते हैं।

निरंतर प्रयास धीरे-धीरे बेहतर परिणाम ला सकते हैं।

**राहु भाव 4 में**

चतुर्थ भाव में राहु **घर, संपत्ति, वाहन या निवास से जुड़े परिवर्तन या चिंताएं** ला सकते हैं।

विदेश यात्रा या स्थानांतरण संभव है, हालांकि इसके लाभ तुरंत स्पष्ट नहीं हो सकते।

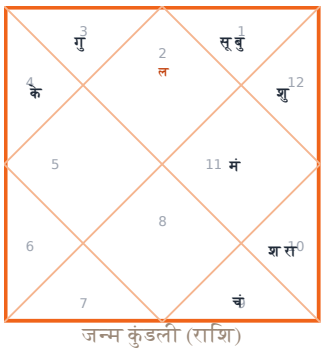
वाहनों और संपत्ति का अच्छी तरह से ध्यान रखें।

**केतु भाव 10 में**

10वें भाव में केतु **असामान्य व्यावसायिक दिशा या नियमित करियर ढर्रे से असंतोष** ला सकते हैं।

कुछ विशिष्ट क्षेत्रों को लाभ हो सकता है, परंतु करियर संबंधी निर्णयों में भावनात्मक स्पष्टता बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

## वर्ष 2028 — आयु 38



जन्म कुंडली (राशि)



वर्ष कुंडली 2028

| सौर प्रत्यागमन | लग्न (वर्ष लग्न) | मुंथा | वर्षेश्वर (वर्ष स्वामी) |
|---|---|---|---|
| **14 मई 2028**<br>00:32 | **मकर**<br>24°34' | **कर्क**<br>भाव 7 | **शुक्र**<br>जन्म लग्नेश |

जन्म लग्न
**वृषभ** — भाव 5
संदर्भ जन्म वर्ष: 1990 · जन्म लग्न वृषभ

वर्ष की शक्ति — **चुनौतीपूर्ण · 30/100**

– मुंथा भाव 7 में | – मुंथा स्वामी भाव 12 में | + शुक्र वर्षेश्वर | + जन्म लग्न भाव 5 में | – केन्द्र में 4 पाप ग्रह

### वर्ष कुंडली में ग्रह स्थितियाँ (निरयण)

| ग्रह | राशि | अंश | भाव (वर्ष लग्न से) |
|---|---|---|---|
| ☉ सूर्य | मेष | 29°16' | **4** |
| ☽ चन्द्र | धनु | 29°56' | **12** |
| ♂ मंगल | मेष | 17°34' | **4** |
| ☿ बुध | वृषभ | 19°44' | **5** |
| ♃ गुरु | सिंह | 23°17' | **8** |
| ♀ शुक्र | वृषभ | 25°16' | **5** |
| ♄ शनि | मेष | 9°37' | **4** |
| ☊ राहु | मकर | 2°10' | **1** |
| ☋ केतु | कर्क | 2°10' | **7** |

### मुंथा भाव 7 में

सप्तम भाव में मुंथा **रिश्तों, साझेदारियों और व्यक्तिगत स्वास्थ्य** पर अतिरिक्त ध्यान केंद्रित करा सकती है।

कुछ रिश्तों में धैर्य की आवश्यकता हो सकती है, और निकट सहयोगियों के साथ गलतफहमियाँ संभव हैं। आपको अपनी सामान्य दिनचर्या को धीमा करके विश्राम और व्यक्तिगत संतुलन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता भी महसूस हो सकती है।

वित्तीय या संबंधों से जुड़े समायोजन कभी-कभी आवश्यक हो सकते हैं, परंतु शांत संवाद छोटी समस्याओं को बड़ा होने से रोक सकता है।

**मुंथा स्वामी चन्द्र भाव 12 में**

बारहवें भाव में मुंथेश **खर्च, विलंब या अस्थायी निराशाएं** ला सकता है।

स्थिति में परिवर्तन या किसी मूल्यवान वस्तु की हानि कभी-कभी हो सकती है। अस्थायी असफलताओं को अपने आत्मविश्वास को कमजोर न करने दें।

सावधानीपूर्ण योजना और धैर्य आपको इस अवधि से रचनात्मक ढंग से गुजरने में मदद कर सकते हैं।

**शुक्र — वर्ष के स्वामी**

एक बलवान शुक्र **संबंधों, पारिवारिक सामंजस्य, सुख-सुविधा और वित्तीय विवेक** के लिए अनुकूल होता है।

आप बेहतर स्वास्थ्य और अधिक व्यक्तिगत सुख का आनंद ले सकते हैं। आभूषण, संपत्ति, वाहन या विलासिता की वस्तुओं की प्राप्ति संभव है।

उच्च शिक्षा, कलात्मक गतिविधियों और आनंददायक अनुभवों में भी अधिक रुचि हो सकती है।

**वार्षिक कुंडली में आपका जन्म लग्न (भाव 5)**

यह स्थिति **अधिक सुख, मानसिक शांति, रचनात्मकता और व्यक्तिगत संबंधों में सकारात्मक विकास** ला सकती है।

विवाह, प्रेम-संबंध या कोई सार्थक नया रिश्ता आपके लिए महत्वपूर्ण बन सकता है। संतान से सुख या परिवार में नए सदस्य का आगमन भी संभव है।

सफलता संभवत: निष्ठापूर्ण और निरंतर प्रयासों के माध्यम से प्राप्त होगी।

## वर्ष में ग्रह स्थितियों का फल

**सूर्य भाव 4 में**

चौथे भाव में सूर्य **घर, संपत्ति, माता या अधिकारियों के साथ संबंधों** से जुड़ी अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ ला सकता है।

कृषि या संपत्ति संबंधी मामलों में अधिक सावधानीपूर्वक प्रबंधन की आवश्यकता हो सकती है।

**चन्द्र भाव 12 में**

12वें भाव में चंद्रमा **अप्रत्याशित खर्च, भावनात्मक संवेदनशीलता और दान-पुण्य की बढ़ी हुई प्रवृत्ति** ला सकता है।

अस्थायी चिंता को अपने निर्णय पर हावी न होने दें। उचित विश्राम और सोच-समझकर की गई वित्तीय योजना लाभकारी सिद्ध होगी।

**मंगल भाव 4 में**

चौथे भाव में मंगल **घरेलू तनाव, संपत्ति से जुड़ी चिंता या घर व भूमि से संबंधित अतिरिक्त उत्तरदायित्व** ला सकता है।

घर के आस-पास आग या दुर्घटनाओं के प्रति उचित सावधानी बरतें।

**बुध भाव 5 में**

बुध पंचम भाव में **संतान, अध्ययन, रचनात्मकता और आर्थिक प्रगति** के लिए अनुकूल है।

आपके विचारों को प्रभावशाली लोगों का समर्थन मिल सकता है, और आपके प्रयास अच्छे परिणाम दे सकते हैं।

**गुरु भाव 8 में**

अष्टम भाव में गुरु **शारीरिक संवेदनशीलता, भावनात्मक बेचैनी या अप्रत्याशित जिम्मेदारियाँ** ला सकते हैं।

अस्वस्थकर दिनचर्या से बचें और विश्राम तथा स्वास्थ्य पर उचित ध्यान दें।

**शुक्र भाव 5 में**

पंचम भाव में शुक्र **चिंता, मानसिक दबाव और अनावश्यक भय** को कम कर सकता है।

सुखद आश्चर्य, रचनात्मकता, प्रेम-संबंध और खुशी विशेष रूप से वर्ष के मध्य में अधिक प्रमुख हो सकते हैं।

**शनि भाव 4 में**

चौथे भाव में शनि **व्यावसायिक दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियां या संपत्ति संबंधी चिंताएं** ला सकते हैं।

पारिवारिक संबंधों पर ध्यान दें और अत्यधिक काम से स्वास्थ्य की उपेक्षा करने से बचें।

**राहु भाव 1 में**

प्रथम भाव में राहु **बेचैनी, भावनात्मक अनिश्चितता और प्रतिष्ठा या प्रतिस्पर्धा संबंधी चिंताएं** उत्पन्न कर सकते हैं।

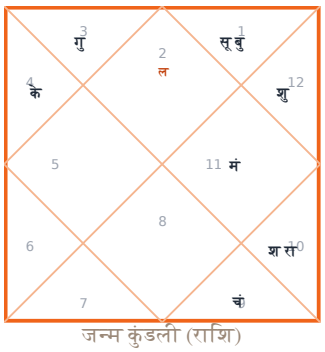
दूसरों पर अत्यधिक संदेह करने से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और विवादों को शांतिपूर्वक सुलझाएं।

**केतु भाव 7 में**

सप्तम भाव में केतु **भावनात्मक दूरी, संबंधों में असामान्य परिस्थितियाँ या साझेदारियों में गलतफ़हमियाँ** ला सकता है।

संबंधों को लेकर आवेगपूर्ण निर्णय लेने से बचें और पारदर्शी संवाद बनाए रखें।

## वर्ष 2029 — आयु 39



जन्म कुंडली (राशि)



वर्ष कुंडली 2029

| सौर प्रत्यागमन | लग्न (वर्ष लग्न) | मुंथा | वर्षेश्वर (वर्ष स्वामी) |
|---|---|---|---|
| **14 मई 2029**<br>06:42 | **वृषभ**<br>8°04' | **सिंह**<br>भाव 4 | **शुक्र**<br>वर्ष लग्नेश |

जन्म लग्न
**वृषभ** — भाव 1
संदर्भ जन्म वर्ष: 1990 · जन्म लग्न वृषभ

वर्ष की शक्ति — **मिश्रित · 48/100**

– मुंथा भाव 4 में | – मुंथा स्वामी भाव 12 में | + शुक्र वर्षेश्वर | + केन्द्र में 2 शुभ ग्रह

### वर्ष कुंडली में ग्रह स्थितियाँ (निरयण)

| ग्रह | राशि | अंश | भाव (वर्ष लग्न से) |
|---|---|---|---|
| ☉ सूर्य | मेष | 29°16' | **12** |
| ☽ चन्द्र | वृषभ | 4°37' | **1** |
| ♂ मंगल | कन्या | 1°04' | **5** |
| ☿ बुध | मेष | 27°36' | **12** |
| ♃ गुरु | कन्या | 24°38' | **5** |
| ♀ शुक्र | वृषभ | 12°31' | **1** |
| ♄ शनि | मेष | 21°26' | **12** |
| ☊ राहु | धनु | 12°49' | **8** |
| ☋ केतु | मिथुन | 12°49' | **2** |

### मुंथा भाव 4 में

चतुर्थ भाव में मुंथा वर्ष के दौरान कुछ **पारिवारिक, भावनात्मक या व्यावसायिक चिंताएँ** ला सकती है। आपकी माता, घर, संपत्ति या निकट संबंधियों से जुड़े मामलों में कभी-कभी अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है।

अनावश्यक वाद-विवाद से बचें और पारिवारिक मामलों में धैर्य बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में निरंतर प्रयास आपकी स्थिति और स्थिरता को बनाए रखने में सहायक हो सकता है।

### मुंथा स्वामी सूर्य भाव 12 में

बारहवें भाव में मुंथेश **खर्च, विलंब या अस्थायी निराशाएं** ला सकता है।

स्थिति में परिवर्तन या किसी मूल्यवान वस्तु की हानि कभी-कभी हो सकती है। अस्थायी असफलताओं को अपने आत्मविश्वास को कमजोर न करने दें।

सावधानीपूर्ण योजना और धैर्य आपको इस अवधि से रचनात्मक ढंग से गुजरने में मदद कर सकते हैं।

**शुक्र — वर्ष के स्वामी**

एक बलवान शुक्र **संबंधों, पारिवारिक सामंजस्य, सुख-सुविधा और वित्तीय विवेक** के लिए अनुकूल होता है।

आप बेहतर स्वास्थ्य और अधिक व्यक्तिगत सुख का आनंद ले सकते हैं। आभूषण, संपत्ति, वाहन या विलासिता की वस्तुओं की प्राप्ति संभव है।

उच्च शिक्षा, कलात्मक गतिविधियों और आनंददायक अनुभवों में भी अधिक रुचि हो सकती है।

**वार्षिक कुंडली में आपका जन्म लग्न (भाव 1)**

जब जन्म लग्न और वर्ष लग्न समान होते हैं, तो यह वर्ष **व्यक्तिगत परिवर्तन और आत्म-मूल्यांकन** का एक महत्वपूर्ण समय बन सकता है।

आपको कभी-कभी चिंता, अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ या ऊर्जा में उतार-चढ़ाव का अनुभव हो सकता है। पहले से चल रही स्वास्थ्य समस्याओं पर उचित ध्यान दें और जब आवश्यक हो तो स्वयं को पर्याप्त विश्राम दें।

यह वर्ष कभी-कभी चुनौतीपूर्ण महसूस हो सकता है, लेकिन यह महत्वपूर्ण व्यक्तिगत विकास को भी प्रोत्साहित कर सकता है।

## वर्ष में ग्रह स्थितियों का फल

**सूर्य भाव 12 में**

12वें भाव में सूर्य **अतिरिक्त खर्च, थकान या करीबी रिश्तों में कभी-कभार मतभेद** ला सकता है।

आराम पर ध्यान दें और तनाव को जमा होने से रोकें।

**चन्द्र भाव 1 में**

प्रथम भाव में चंद्रमा **भावनात्मक कल्याण, आर्थिक सुधार और सहायक संबंधों** का समर्थन करता है।

यह वर्ष अधिक सुख-सुविधा, लोकप्रियता और महिलाओं या महिला सहयोगियों से समर्थन ला सकता है।

**मंगल भाव 5 में**

पाँचवें भाव में मंगल **संतान से जुड़ी चिंता, आवेगपूर्ण निर्णय और मानसिक बेचैनी** ला सकता है।

सट्टेबाजी या महत्वपूर्ण निजी निर्णयों में जल्दबाजी से बचें।

फिर भी, यह स्थिति प्रतिस्पर्धा और विवादों पर विजय प्राप्त करने की शक्ति दे सकती है।

**बुध भाव 12 में**

बुध का 12वें भाव में होना **अप्रत्याशित विवाद, खर्च या मानसिक बेचैनी** ला सकता है।

संवाद का ध्यान रखें और छोटी-छोटी गलतफहमियों को लंबे समय तक चिंता का विषय न बनने दें।

**गुरु भाव 5 में**

पंचम भाव में गुरु **संतान, रचनात्मकता, बुद्धि और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसरों** का समर्थन करते हैं।

शिक्षा, परिवार या मूल्यवान वस्तुओं की प्राप्ति के माध्यम से सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं।

**शुक्र भाव 1 में**

शुक्र का 1ले भाव में होना **समृद्धि, लोकप्रियता और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा में सुधार** के लिए अनुकूल है।

आपको प्रभावशाली व्यक्तियों का समर्थन मिल सकता है और आपके लिए विवादों को कूटनीतिक ढंग से सुलझाना आसान हो सकता है।

**शनि भाव 12 में**

द्वादश भाव में शनि से **व्यावसायिक खर्च, एकांतप्रियता या दीर्घकालिक जिम्मेदारियों से उत्पन्न तनाव** बढ़ सकता है।

सतर्क वित्तीय नियंत्रण बनाए रखें और स्वास्थ्य तथा विश्राम पर पर्याप्त ध्यान दें।

**राहु भाव 8 में**

राहु का 8वें भाव में होना **अप्रत्याशित परिवर्तन, अचानक चिंताएँ या शारीरिक संवेदनशीलता के समय** ला सकता है।

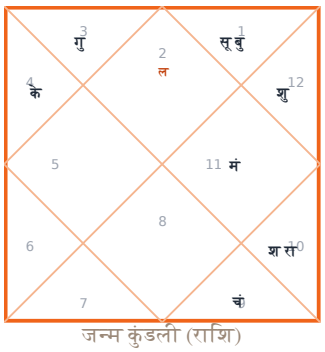
अनावश्यक जोखिमों से बचें और अपनी दैनिक दिनचर्या को स्थिर बनाए रखें।

**केतु भाव 2 में**

केतु का दूसरे भाव में होना **वित्तीय अनिश्चितता या परिवार और व्यक्तिगत कल्याण से जुड़ी चिंताएं** ला सकता है।

धन के मामले में सतर्क दृष्टिकोण बनाए रखें और अनावश्यक व्यय से बचें।

## वर्ष 2030 — आयु 40



जन्म कुंडली (राशि)



वर्ष कुंडली 2030

| सौर प्रत्यागमन | लग्न (वर्ष लग्न) | मुंथा | वर्षेश्वर (वर्ष स्वामी) |
|---|---|---|---|
| **14 मई 2030**<br>12:43 | **सिंह**<br>2°25' | **कन्या**<br>भाव 2 | **सूर्य**<br>वर्ष लग्नेश |

जन्म लग्न
**वृषभ** — भाव 10
संदर्भ जन्म वर्ष: 1990 · जन्म लग्न वृषभ

वर्ष की शक्ति — **मिश्रित · 52/100**

+ मुंथा भाव 2 में | + मुंथा स्वामी भाव 9 में | – सूर्य वर्षेश्वर | + जन्म लग्न भाव 10 में | – केन्द्र में 4 पाप ग्रह

### वर्ष कुंडली में ग्रह स्थितियाँ (निरयण)

| ग्रह | राशि | अंश | भाव (वर्ष लग्न से) |
|---|---|---|---|
| ☉ सूर्य | मेष | 29°16' | **9** |
| ☽ चन्द्र | कन्या | 14°51' | **2** |
| ♂ मंगल | वृषभ | 2°05' | **10** |
| ☿ बुध | मेष | 5°16' | **9** |
| ♃ गुरु | तुला | 28°23' | **3** |
| ♀ शुक्र | मीन | 19°34' | **8** |
| ♄ शनि | वृषभ | 3°25' | **10** |
| ☊ राहु | वृश्चिक | 23°28' | **4** |
| ☋ केतु | वृषभ | 23°28' | **10** |

### मुंथा भाव 2 में

द्वितीय भाव में मुंथा **आर्थिक सुधार, परिवार में सुख और अप्रत्याशित लाभ** का समर्थन कर सकती है। व्यापारिक सौदे, निवेश या संपत्ति से जुड़े लेन-देन सावधानीपूर्वक किए जाने पर लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं। आपका परिवार और सामाजिक दायरा आपकी राय को अधिक महत्व दे सकता है, और अधिकारियों से जुड़े कार्य अधिक सुगमता से संपन्न हो सकते हैं।

यह आर्थिक अवसरों के लिए अनुकूल वर्ष हो सकता है, परंतु अटकल या संयोग पर आधारित लाभों पर अत्यधिक निर्भर रहने से बचें।

### मुंथा स्वामी बुध भाव 9 में

यह स्थिति **भाग्य, समृद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा** का समर्थन करती है।

आप कुछ मूल्यवान प्राप्त कर सकते हैं या अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं। परिवार और मित्र सहयोगी बन सकते हैं, और आपकी लोकप्रियता बढ़ सकती है।

**सूर्य — वर्ष के स्वामी**

वर्षेश के रूप में बलवान सूर्य **करियर में प्रगति, मान्यता और अधिकारियों के समर्थन** को प्रोत्साहित करते हैं।

आपका समर्पण और नेतृत्व गुण आपको व्यावसायिक रूप से आगे बढ़ने में सहायता कर सकते हैं। आर्थिक सुधार संभव है, और परिवार तथा मित्रों के बीच आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है।

**वार्षिक कुंडली में आपका जन्म लग्न (भाव 10)**

यह स्थिति सामान्यतः एक **उत्पादक और व्यावसायिक रूप से प्रगतिशील वर्ष** का संकेत देती है।

आपको अधिकारियों या वरिष्ठ व्यक्तियों से समर्थन प्राप्त हो सकता है और महत्वपूर्ण परियोजनाओं या नए उपक्रमों की प्रगति से आप संतुष्ट महसूस कर सकते हैं।

## वर्ष में ग्रह स्थितियों का फल

**सूर्य भाव 9 में**

9वें भाव में पीड़ित सूर्य **भाई-बहनों, गुरुजनों या आपसे भिन्न विचार रखने वाले लोगों के साथ मतभेद** ला सकता है।

कुछ योजनाओं में देरी या बाधाएँ आ सकती हैं, इसलिए लचीलापन और धैर्य रखने की सलाह दी जाती है।

**चन्द्र भाव 2 में**

द्वितीय भाव में चंद्रमा **पारिवारिक सुख, व्यापार में लाभ और आर्थिक सुधार** के अनुकूल है।

वरिष्ठजनों या अधिकार संपन्न व्यक्तियों से समर्थन भी बढ़ सकता है।

**मंगल भाव 10 में**

मंगल का 10वें भाव में होना **करियर संबंधी गतिविधियों, नई जिम्मेदारियों और तकनीकी या मशीनरी संबंधी कार्यों** को समर्थन देता है।

आय संतोषजनक बनी रह सकती है, विशेष रूप से जब आपका पेशा पहल और निर्णायक कार्रवाई को पुरस्कृत करता हो।

**बुध भाव 9 में**

नवें भाव में बुध **ज्ञान, यात्रा, संपर्क-निर्माण और सकारात्मक पारिवारिक घटनाक्रमों** के लिए अनुकूल है।

आप प्रभावशाली या सम्मानित लोगों के साथ संबंध विकसित कर सकते हैं, वहीं शैक्षिक और बौद्धिक रुचियों का विस्तार हो सकता है।

**गुरु भाव 3 में**

बृहस्पति के तृतीय भाव में होने से **सम्मान, प्रतिष्ठा और आर्थिक वृद्धि** को समर्थन मिलता है।

आपके ज्ञान और क्षमताओं की प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा अधिक सराहना की जा सकती है।

**शुक्र भाव 8 में**

अष्टम भाव में शुक्र **संबंधों में जटिलताएँ, भावनात्मक अनिश्चितता या प्रतिष्ठा संबंधी चिंताएँ** ला सकता है।

गोपनीय या आवेगपूर्ण संबंधी निर्णयों से बचें। सावधानीपूर्वक निर्णय लेकर आर्थिक और व्यावसायिक स्थिरता की रक्षा करनी चाहिए।

**शनि भाव 10 में**

दशम भाव में शनि से **व्यावसायिक जिम्मेदारियों का भार या अपेक्षा से धीमी प्रगति** उत्पन्न हो सकती है।

संपत्ति, कृषि या परिवार से संबंधित चिंताएँ कभी-कभी ध्यान की मांग कर सकती हैं।

त्वरित समाधान की कोशिश करने की बजाय धैर्य और निरंतर प्रयास अधिक लाभदायक सिद्ध होते हैं।

**राहु भाव 4 में**

चतुर्थ भाव में राहु **घर, संपत्ति, वाहन या निवास से जुड़े परिवर्तन या चिंताएं** ला सकते हैं।

विदेश यात्रा या स्थानांतरण संभव है, हालांकि इसके लाभ तुरंत स्पष्ट नहीं हो सकते।

वाहनों और संपत्ति का अच्छी तरह से ध्यान रखें।

**केतु भाव 10 में**

10वें भाव में केतु **असामान्य व्यावसायिक दिशा या नियमित करियर ढर्रे से असंतोष** ला सकते हैं।

कुछ विशिष्ट क्षेत्रों को लाभ हो सकता है, परंतु करियर संबंधी निर्णयों में भावनात्मक स्पष्टता बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

॥ शुभम् भवतु ॥

## नक्षत्र आपका पथ आलोकित करें

यह रिपोर्ट आपके सटीक जन्म-विवरण से, स्विस एफ़ेमेरिस गणना और शास्त्रीय वैदिक सिद्धांतों के आधार पर तैयार की गई है। ज्योतिष मार्गदर्शन है, नियति नहीं — प्रत्येक योग का फल आपके पुरुषार्थ से आकार पाता है।


### आपकी सम्पूर्ण वैदिक कुंडली रिपोर्ट — 40+ पृष्ठों की PDF

भाव-दर-भाव भावफल, विस्तृत 5-वर्षीय वर्षफल, दशा, योग व उपाय · 12 भाषाएँ

रिपोर्ट पाएँ →

feelastro.com/horoscope-report/hi


© 2026 FeelAstro · यह वैयक्तिक रिपोर्ट Ananya Sharma के लिए है ; इसका पुनरुत्पादन वर्जित है।